संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 241
पृष्ठ 8
गुरूवार
22 मई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बॉडी में दिखने लगे ये बदलाव तो समझ...

विचार- सेना और न्यायपालिका के सम्मान...

खेल- पिकलबाल में हाथ आजमाते नजर...

यूपी के मंडल मुख्यालयों पर स्थापित होंगे दिव्यांग पुनर्वास केंद्र : योगी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिव्यांग युवाओं के लिए संचालित शैक्षिक संस्थानों में प्रशासनिक तंत्र को संवेदनशील, जग और सतर्कता पर बल दिया है। आज बुधवार को दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ अराजक तत्वों द्वारा सुनियोजित ढंग से दिव्यांगजनों के विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में भ्रम फैलाकर उन्हें अवांछित, समाजविरोधी गतिविधियों की ओर प्रवृत्त करने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। ऐसी प्रवृत्तियों के प्रति हमें पूर्णतः सतर्क रहते हुए विद्यार्थियों की सुरक्षा और मानसिक–सामाजिक संरक्षण सुनिश्चित करना होगा। संस्थानों में सहायता के नाम पर प्रस्ताव देने वाली बाहरी संस्थाओं की पृष्ठभूमि की गहन जांच–पड़ताल के उपरांत ही उनकी अनुमति दी जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के सभी बचपन डे केयर सेंटरों, मानसिक मंदित आश्रय केंद्रों, समेकित विद्यालयों तथा 'ममता', 'स्पर्श' और 'संकेत' विद्यालयों का व्यापक निरीक्षण किया जाए। यहां अध्ययनरत बच्चों से संवाद स्थापित कर आवश्यकताओं, आकांक्षाओं और अभिभावकों की अपेक्षाओं को समझते हुए संस्थागत व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से लाभ प्रदान करें और अधिक सुदृढ़ की जाएं। इन विद्यालयों में शिक्षकों के रिक्त पदों को शीघ्र भरा जाए और जब तक नियमित नियुक्ति न हो, तब तक अन्य वैकल्पिक व्यवस्था से योग्य युवाओं की सेवाएं ली जाएं। इन युवाओं को भविष्य की चयन प्रक्रियाओं में वेटेज प्रदान किया जाना चाहिए। बैठक में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग और पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की योजनाओं, उपलब्धियों तथा कार्ययोजनाओं की अद्यतन स्थिति से मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया। उन्होंने निर्देशित किया कि कल्याणकारी योजनाएं पारदर्शी और तकनीकी रूप से सुसज्जित हों तथा लक्षित लाभार्थियों को समयबद्ध रूप से लाभ प्रदान करें।मुख्यमंत्री ने बताया कि बीते आठ वर्षों में विभाग के बजट में दस गुना से अधिक वृद्धि की गई है, जो दिव्यांगजनों के प्रति सरकार की संवेदनशील प्रतिबद्धता को दर्शाती है। अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि दिव्यांगजन पेंशन योजना के अंतर्गत वर्तमान में 11.04 लाख लाभार्थियों को 1300 करोड़ रुपये की पेंशन राशि वितरित की गई है, जबकि कुष्ठरोग पीड़ित लगभग 12 हजार व्यक्तियों को 3000 रुपये प्रतिमाह की दर से

● दिव्यांग शिक्षण संस्थानों में हो संवेदनशील प्रशासनिक व्यवस्था

सहायता दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि राज्यस्तरीय अभियान चलाकर यह पता लगाया जाए कि किन पात्र व्यक्तियों को अभी तक पेंशन नहीं मिल रही है, साथ ही जो अपात्र लाभ ले रहे हैं, उन्हें चिह्नित कर कार्रवाई की जाए। बीते वित्तीय वर्ष में 35,136 दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, ब्रेल किट्स जैसे सहायक उपकरणों के लिए 28.93 करोड़ की सहायता दी गई है। मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल योजना के अंतर्गत 270 अत्यंत दिव्यांगजन को 2 लाख रुपये तक की मशीनें उपलब्ध कराई गईं। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ प्रदेश के लाभार्थियों तक पूरी तत्परता से पहुँचे, यह सुनिश्चित किया जाए। मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल योजना में सांसदों और विधायकों से भी अपनी निधि से सहयोग देने का आग्रह किया जाए। दिव्यांगजनों को राज्य परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा सुविधा उपलब्ध है। बीते वित्तीय वर्ष में 31 लाख से अधिक दिव्यांगों ने सुविधा का लाभ उठाया। कोक्लियर इम्प्लांट योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना तभी प्रभावी हो सकती है, जब नवजात स्तर से ही उपचार प्रारम्भ हो। उन्होंने निर्देश दिए कि हाल ही में योजना से लाभान्वित 214 बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति का फॉलोअप करते हुए उनके परिवारों से संवाद स्थापित किया जाए।शैक्षिक क्षेत्र की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि 25 जनपदों में स्थापित श्चाइल्ड डे केयर सेंटरों में दृष्टि, श्रवण एवं मानसिक रूप से दिव्यांग 1390 बच्चों को प्रशिक्षण एवं शिक्षा दी जा रही है। वर्तमान में राज्य में संचालित 16 विशेष विद्यालय, 07 समेकित विद्यालय एवं 05 मानसिक पुनर्वास केंद्रों के माध्यम से 1680 बच्चों को आवासीय शिक्षा प्रदान की जा रही है।

छत्तीसगढ मुठभेड़ में 27 नक्सली ढेर, एक जवान शहीद, एक घायल

नारायणपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के चार विभिन्न जिलों के सुरक्षा बलों के जवानों ने बुधवार को हुई मुठभेड़ में बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए सुरक्षाबलों ने 27 नक्सलियों को ढेर कर दिया और कई अन्य घायल हुये हैं। मुठभेड़ के दौरान एक जवान शहीद हो गया और एक अन्य घायल हो गया है। इस मुठभेड़ में कई बड़े नक्सली लीडर या तो फंसे हुए हैं या फिर मारे गये हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अबूझमाड़ क्षेत्र में सुबह सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई। नारायणपुर जिले के पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने बताया कि जिले के अबूझमाड़ क्षेत्र के माड़ डिवीजन में नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) नारायणपुर, डीआरजी दंतेवाड़ा, डीआरजी बीजापुर और डीआरजी कोंडागांव के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान के लिए रवाना किया गया। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, जिनके पास गृह विभाग का भी प्रभार है, ने बताया कि नारायणपुर, बीजापुर, दंतेवाड़ा सीमावर्ती इलाके में बड़ा ऑपरेशन जारी है। सुरक्षाबलों को प्राप्त जानकारी के आधार पर ऑपरेशन को अंजाम दिया गया है। इसमें जवानों को बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। अब तक 27 नक्सली मारे जाने की सूचना मिली है। वहीं इस ऑपरेशन में रूपेश से भी बड़े कमांडर फंसे हुए हैं। ऑपरेशन अभी भी जारी है। इसके साथ ही गृहमंत्री ने यह भी जानकारी दी है कि मुठभेड़ में एक जवान शहीद और एक जवान घायल भी हुए हैं। मुठभेड़ स्थल पर नक्सलियों के शीर्ष कमांडरों को भी सुरक्षाबलों ने घेर लिया है। इनमें नक्सली लीडर रुपेश और विकल्प के भी फंसे होने की जानकारी सामने आई है। इन दोनों पर सुरक्षा एजेंसियों की लंबे समय से नजर थी और अगर इनकी गिरफ्तारी या मुठभेड़ में मारे जाने की पुष्टि होती है तो यह नक्सल विरोधी अभियान में यह एक बड़ी कामयाबी होगी। दक्षिण बस्तर क्षेत्र के उप पुलिस महानिरीक्षक कमलोचन कश्यप ने बताया कि नारायणपुर, बीजापुर, दंतेवाड़ा तथा कोंडागांव जिले के स्थानीय जिला रिजर्व पुलिस के जवान इन चारों जिलों के सीमावर्ती क्षेत्र में लगातार नक्सलियों से मुठभेड़ जारी है। जिला रिजर्व पुलिस के जवान स्थानीय होने के कारण में इलाके के भौगोलिक स्थिति से परिचित है। सूत्रों के अनुसार अबुझमाड़ क्षेत्र में एक करोड़ का इनामी नक्सली नेता जनरल सेकेटी डुबाला केशव राव उर्फ राजू समेत तीस से अधिक नक्सली मारे जाने की खबर है। पुलिस ने बताया कि कोंडागांव, नारायणपुर व बीजापुर के सीमा क्षेत्र इलाके में मुठभेड़ जारी है।

मेरी शादी पाकिस्तान में करा दीजिए, यूट्यूबर ज्योति की पाक एजेंट से खुफिया चौट वायरल

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा, जिस पर पाकिस्तान के लिए जासूसी करने का आरोप है, ने कथित तौर पर एक पाकिस्तानी खुफिया अधिकारी से बातचीत की थी और उनसे उसकी शादी तय करने के लिए कहा था। 'ट्रैवल विद जो' नामक यूट्यूब चौनल चलाने वाली मल्होत्रा को पिछले सप्ताह गिरफ्तार किया गया था, जब पता चला कि

वह एक पाकिस्तानी खुफिया अधिकारी के संपर्क में थी और कथित तौर पर उसके साथ सूचनाएं साझा करती थी। बाद में उसने एहसान–उर–रहीम उर्फ दानिश नामक अधिकारी के संपर्क में होने की बात कबूल की। एनडीटीवी के अनुसार, व्हाट्सएप पर बातचीत में उसने कथित तौर पर पाकिस्तानी अधिकारी से कहा था कि मेरी शादी पाकिस्तान में करवा दो। जांच के दौरान पुलिस को मल्होत्रा के चार बैंक खातों के बारे में भी जानकारी मिली, जिसमें दुबई से लेन–देन किए गए थे। पुलिस ने कहा कि यह रकम उनकी अनुमानित आय से ज़्यादा थी और वे डेटा का विश्लेषण कर रहे थे। दानिश को भारत द्वारा अवांछित व्यक्ति घोषित किया गया था। उसने मल्होत्रा को अली अहवान से मिलवाया, जिसने उसके रहने की व्यवस्था की और पाकिस्तानी सुरक्षा अधिकारियों शाकिर और राणा शाहबाज़ के साथ आगे की बैठकों की व्यवस्था की। वह कथित तौर पर उसे एक संपत्ति के रूप में "विकसित" कर रहा था। ज्योति मल्होत्रा, जिनके इंस्टाग्राम पर एक लाख से ज़्यादा फॉलोअर्स हैं, दो बार पाकिस्तान जा चुकी हैं, जिस दौरान उनका संपर्क दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के एक अधिकारी से हुआ था। ट्रैवल यूट्यूबर से राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) के अधिकारियों ने पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव्स (पीआईओ) से उनके संदिग्ध संबंधों के बारे में पूछताछ की।

आतंकवादियों ने खुद दुनिया को दिया सबूत... ऑपरेशन सिंदूर को लेकर उपराष्ट्रपति धनखड़ का बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कहा कि आतंकवादियों ने खुद ही दुनिया को ऑपरेशन सिंदूर के सबूत मुहैया कराए हैं और जिन लोगों को निशाना बनाया गया उनके ताबूतों को पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों और राजनेताओं ने ले जाया था। मोरमुगाओ पोर्ट अथॉरिटी (एमपीए) द्वारा दक्षिण गोवा के वास्को में आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के सटीक सैन्य हमलों ने जैश–ए–मोहम्मद और लश्कर–ए–तैयबा को करारा संदेश दिया है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि इससे विश्व स्तर पर वैश्विक संदेश गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार की धरती से पूरी दुनिया को संदेश दिया है कि आतंकवाद को अब और नहीं बख्शा जाएगा। उन्होंने आतंकवादियों को दी गई सजा को अनुकरणीय बताया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह हमला अंतरराष्ट्रीय सीमा से परे के क्षेत्र में किया गया। हमारे सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए, लक्ष्य केवल आतंकवादी थे। सभी के लिए यह कितनी संतुष्टि की बात है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन की उच्च उपलब्धि के बाद, कोई भी इसका सबूत नहीं मांग रहा था।

मार्च 2026 तक देश नक्सलवाद से होगा मुक्त

छत्तीसगढ़ में 27 खूंखार नक्सिलयों के मारे जाने पर बोले अमित शाह

नयी दिल्ली, एजेंसी। भाकपा (माओवादी) के महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू बुधवार को अबूझमाड़ जंगल में हुई मुठभेड़ में मारा गया। पुलिस ने बताया कि बसवराजू बुधवार को छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए 27 माओवादियों में शामिल था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि बसवराजू माओवादी आंदोलन की रीढ़ था। शाह ने एक्स पर लिखा कि नक्सलवाद को खत्म करने की लड़ाई में एक ऐतिहासिक उपलब्धि। आज, छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में एक ऑपरेशन में, हमारे सुरक्षा बलों ने 27 खूंखार माओवादियों को मार गिराया है, जिनमें सीपीआई–माओवादी के महासचिव, शीर्ष नेता और नक्सल आंदोलन की रीढ़ नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू भी शामिल हैं। शाह ने आगे लिखा कि नक्सलवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई के तीन दशकों में यह पहली बार है कि हमारे बलों द्वारा एक महासचिव स्तर के नेता को मार गिराया गया है। मैं इस बड़ी सफलता के लिए हमारे बहादुर सुरक्षा बलों और एजेंसियों की सराहना करता हूँ। उन्होंने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट के पूरा होने के बाद छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र में 54 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है और 84 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। शाह ने कहा, "मोदी सरकार 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है।" राज्य के गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा, ऑपरेशन पिछले 72 घंटों से चल रहा है। बुधवार को हुई मुठभेड़ में 26 से अधिक माओवादी मारे गए। 71 वर्षीय बसवराजू को 2018 में प्रतिबंधित भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) का नया महासचिव नियुक्त किया गया था। 1970 के दशक से माओवादी आंदोलन के दिग्गज, बसवराजू देश के सबसे मायावी माओवादी नेताओं में से एक हैं और उनके सिर पर 1.5 करोड़ रुपये का इनाम है। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के जियान्नापेटा गांव के मूल निवासी, बसवराजू वारंगल के क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटेक स्नातक हैं। पिछले कुछ सालों में, उन्होंने गंगन्ना, प्रकाश, कृष्णा, विजय, दारापु नरसिम्हा रेड्डी और नरसिम्हा सहित कई उपनामों का इस्तेमाल किया है।

अमरनाथ यात्रा 2025 की तैयारियां शुरु

श्रीनगर, एजेंसी। इस वर्ष अमरनाथ यात्रा की शुरुआत तीन जुलाई से होगी। अमरनाथ यात्रा भगवान शिव की एक प्राचीन और प्रसिद्ध तीर्थयात्रा है, जिसे हर वर्ष सावन के महीने में शुरू किया जाता है। इस बार अमरनाथ यात्रा में सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी और सख्त होगी। अमरनाथ यात्रा के लिए अर्धसैनिक बलों की 900 कंपनियों की तैनाती की गई है। इस संबंध में गृह विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मीडिया को बताया कि इस वर्ष अमरनाथ यात्रा में अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था देखने को मिलेगी। यात्रा के लिए अर्धसैनिक बलों की 900 कंपनियां और सेना की अतिरिक्त तैनाती की जाएगी। यात्रा में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने का यह फैसला 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद लिया गया है, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी, जिनमें 25 पर्यटक और एक स्थानीय नागरिक शामिल थे। इस हमले के बाद भारत–पाकिस्तान के बीच संघर्ष हुआ था। बता दें कि दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित अमरनाथ पवित्र गुफा मंदिर है, जिसकी 38 दिवसीय तीर्थयात्रा की शुरुआत इस वर्ष तीन जुलाई से हो रही है।

मोदी, खरगे, राहुल ने राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 34वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी। श्री मोदी ने सोशल मीडिया में कहा, "मैं हमारे पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। श्री खरगे तथा श्री गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री की समाधि वीर भूमि जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया और कहा

कि राजीव गांधी के दूरदर्शी नेतृत्व ने न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व पर आधारित राष्ट्र की नींव को बदला और आज भी उनकी सोच विरासत हमारा मार्गदर्शन करती रहती है। श्री गांधी ने भावुक होकर अपने पिता को याद करते हुए सोशल मीडिया एक्स में एक पोस्ट में कहा, "पापा, आपकी यादें हर कदम पर मेरा मार्गदर्शन करती हैं। आपके अधूरे सपनों को साकार करना ही मेरा संकल्प है और मैं इन्हें पूरा करके रहूंगा।" इसके साथ ही उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री के साथ अपने बचपन की एक फोटो भी पोस्ट की है। श्री खरगे ने कहा, "21वीं सदी के भारत के निर्माण में राजीव जी ने अद्वितीय भूमिका का निर्वाह किया। मतदान की आयु घटाकर 18 वर्ष करना, पंचायती राज को मजबूत करना, दूरसंचार और आईटी क्रांति, कम्प्यूटरीकरण कार्यक्रम, निरंतर शांति समझौते, महिला सशक्तिकरण तथा भागीदारी के लिए कई परिवर्तनकारी कदम उठाए हैं।" उन्होंने कहा, "राजीव जी ने समाज के सभी तबकों के कल्याण को ध्यान में रख कर अपने शासनकाल में 11 नीतियां बनायीं। इसमें नयी शिक्षा नीति, आवास नीति, नई स्वास्थ्य नीति, नयी सिंचाई नीति प्रमुख है। कई संस्थाओं की स्थापना की।

कर्नाटक के गृह मंत्री से जुड़े मेडिकल कॉलेज पर ईडी की रेड

● रान्या राव गोल्ड स्मग्लिंग केस से जुड़ा है कनेक्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रन्या राव सोना तस्करी मामले में कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर से जुड़े तुमकुर के एक मेडिकल कॉलेज पर छापा मारा है। परमेश्वर को श्री सिद्धार्थ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर का अध्यक्ष बताया जाता है, जिस पर ईडी ने बुधवार को छापा मारा था। कर्नाटक के गृह मंत्री की हिरासत पर यह पहली बार नहीं थे, लेकिन कथित तौर पर एक अज्ञात स्थान पर अपने सहयोगियों से मिल रहे थे। मेडिकल कॉलेज और अनुसंधान केंद्र में ईडी की तलाशी तब हुई जब उसे अभिनेता रान्या राव सोना तस्करी मामले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच करते हुए संस्थान में लाया गया था। जांच के दौरान ईडी को रान्या राव और परमेश्वर से जुड़े मेडिकल कॉलेज के बीच पैसे के लेन–देन का पता चला। ईडी ने आखिरी बार संस्थान के वित्तीय रिकॉर्ड की जांच की थी।

'ऑपरेशन सिंदूर': अशोका विश्वविद्यालय के प्रो. महमूदाबाद को सुप्रीम कोर्ट ने दी अंतरिम जमानत

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने अशोका विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को सोशल मीडिया पर 'ऑपरेशन सिंदूर' से संबंधित कथित आपत्तिजनक टिप्पणी मामले में बुधवार को सशर्त अंतरिम जमानत दे दी। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने याचिकाकर्ता को राहत देते हुए अंतरिम जमानत पर रिहा करने का आदेश पारित किया। उच्चतम न्यायाल ने हालांकि, मामले में प्रोफेसर के खिलाफ हरियाणा पुलिस द्वारा दर्ज दो मुकदमों

पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने आदेश में कहा,"हम याचिकाकर्ता को सीजेएम सोनीपत की संतुष्टि के अनुसार जमानत बांड प्रस्तुत करने की शर्त पर अंतरिम जमानत पर रिहा करने का निर्देश देते हैं। दोनों मुकदमों के लिए जमानत बांड का केवल एक सेट होगा।" इसके अलावा न्यायालय ने आरोपी को अपना पासपोर्ट जमा करने का भी आदेश दिया। साथ ही, इस मुद्दे (ऑपरेशन सिंदूर) पर कोई और ऑनलाइन पोस्ट या भाषण नहीं देने का आदेश दिया। शीर्ष न्यायालय ने मामले की जांच के लिए हरियाणा पुलिस के स्थान पर एक विशेष जांच दल का गठन किया, जो वर्तमान में मामले की जांच कर रहा है। न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया कि विशेष जांच दल में हरियाणा या दिल्ली के अधिकारी नहीं होंगे। अशोका विश्वविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग के प्रमुख महमूदाबाद को हरियाणा पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार किया था। रविवार को दो अलग–अलग मामलों के मुकदमे दर्ज होने पर उन्हें दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

गोल्डन लायंस सृजन क्ल ने कराया शरबत वितरण

प्रयागराज। गोल्डन लायंस सृजन क्लब की ओर से मोहन पार्क के पास शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में लगभग 500 लोगों को ठंडे शरबत का

वितरण किया गया। कार्यक्रम में क्लब की अध्यक्ष डॉ. सविता अग्रवाल, सचिव मीना अरोड़ा, कोषाध्यक्ष शशि और अनामिका, निधि सहित कई सदस्य सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मल्टिपल की पूर्व अध्यक्ष पुष्पा स्वरूप, जिला अध्यक्ष मंजू वर्मा तथा प्रदीप वर्मा ने भी सहभागिता की।

बॉयफ्रेंड ने तोड़ा रिश्ता तो लड़की ने लगाई फांसी, घर के बाहर शादी को लेकर चल रही थी पंचायत

प्रयागराज। यूपी में प्रयागराज के घूरपुर में स्थानीय थाना क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार दोपहर एक युवती ने घर के अंदर फांसी लगाकर जान दे दी। युवती ने प्रेमी के शादी से इनकार करने पर यह आत्मघाती कदम उठाया। दुःखद यह है कि जब उसने खुदकुशी की उस समय दोनों पक्षों के बीच शादी को लेकर घर के बाहर पंचायत चल रही थी। पंचायत में प्रेमी युवक ने शादी करने से इनकार कर दिया था। घटना के बाद युवती के परिजनों में कोहराम मचा रहा। जानकारी के अनुसार घूरपुर थानाक्षेत्र एक गांव की 18 वर्षीय युवती का लगभग चार साल से गांव के ही एक युवक से नजदीकी संबंध था। पड़ोसी युवक ने युवती से शादी का वादा किया था, लेकिन जब युवती शादी का दबाव बनाने लगी तो युवक मुकरने लगा। इसी

को लेकर मंगलवार को दोनों के परिवारों के बीच युवती के घर के बाहर पंचायत चल रही थी। पंचायत के दौरान युवक ने शादी करने से साफ मना कर दिया। यह बात जब युवती को पता चली तो उसने घर के अंदर के दुपट्टे का फंदा बनाकर फांसी लगा ली। परिवार को लड़की के आत्महत्या करने की सूचना मिलते ही परिजनों व ग्रामीणों में खलबली मच गई। तुरंत युवती को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस को भी घटना की जामकारी दी गई। युवती के पिता की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी, दिनेश सिंह ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि मृतका के परिजनों की ओर से युवक की खिलाफ तहरीर नहीं दी गई है। हालांकि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी।

डीसीपी नगर को किया गया सम्मानित

प्रयागराज। महाकुंभ एवं प्रयागराज शहर क्षेत्र में शांति, सुरक्षा व अपराध नियंत्रण में उत्कृष्ट योगदान के लिए पुलिस उपायुक्त नगर अभिषेक भारती को सम्मानित किया गया। उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति के प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को सम्मानित किया। डीसीपी नगर को अंगवस्त्र, स्मृति चिह्न एवं प्रशंसा पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही, समिति द्वारा सामाजिक एवं जनहितकारी कार्यों की पत्रावली प्रस्तुत करते हुए अधीनस्थ अधिकारियों को समिति से समन्वय स्थापित करने के लिए निर्देश देने का अनुरोध किया गया। डीसीपी ने समिति के कार्यों की सराहना करते हुए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर समिति सचिव संतोष कुमार, विधि सलाहाकार लक्ष्मीकांत मिश्रा, अजीत कुमार सिन्हा, फैयाज़ अली फैज़ी, यासीन अहमद, शेख मोहम्मद हलीम, फैजानुद्दीन अंसारी, हर्ष गुप्ता, संदीप सोनी आदि उपस्थित रहे।

संस्थागत प्रसव में चार सीएचसी फिसड्डी

प्रयागराज। जिला स्वास्थ्य समिति शासी निकाय की मासिक समीक्षा बैठक मंगलवार को सीएमओ कार्यालय में आयोजित की गयी। इस मौके पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत चल रहे फर्स्ट रेफरल यूनिट, आयुष्मान, आभा आईडी आदि कार्यक्रम पर चर्चा की गयी। समीक्षा के दौरान पाया कि जननी सुरक्षा योजना के तहत चाका, कौंधियारा व बहरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में पिछले वर्ष की तुलना में संस्थागत प्रसव कम हुए हैं। जिला महिला चिकित्सालय (डफरिन) में संस्थागत प्रसव की हालत बेहतर हुई है। डिप्टी सीएमओ डॉ. नवीन गिरि, एसीएमओ डॉ. रावेंद्र सिंह, डीपीएम विनोद सिंह मौजूद रहे।

एसआरएन के सीएसएसडी मशीन बंद, ऑपरेशन प्रभावित

प्रयागराज। सात मई को आई तेज आंधी व बारिश से एसआरएन अस्पताल में कई बिजली के पोल गिर गए थे। अस्पताल परिसर में बिजली के पोल गिरने से अस्पताल व आवासीय पसिर बिजली आपूर्ति बाधित हो गयी थी। असपताल प्रशासन की ओर से विद्युत आपूर्ति की वैकल्पिक व्यवस्था जरूर की गयी लेकिन पुरानी विल्डिंग में स्थित सेंट्रल स्टरलाइजेशन सप्लाई डिपार्टमेंट (सीएसएसडी) में मंगलवार तक विद्युत आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी। बिजली आपूर्ति बाधित होने के कारण सीएसएसडी में लगी तीन सेमी ऑटो क्लेप मशीनें बंद है। मशीनों के बंद होने से छह ऑपरेशन थियेटर, वार्डों व ट्रामा सेंटर में ऑपरेशन व ड्रेसिंग के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरणों को उच्च तापमान पर गर्म करके विशेष सफाई नहीं हो पा रही है। सीएसएसडी से कीटाणुरहित होकर उपकरगों को ऑपरेशन थेयेटर व वार्डो में भेजे जाते हैं। मशीनें बंद होने से पुरानी विल्डिंग के ओटी व ट्रामा सेंटर के उपकरण पीएमएसएसवाई विल्डिंग में बने सीएसएसडी में भेजा जाता है। इससे पुरानी बिल्डिंग की ओटी व वार्डो में उपकरणों की सप्लाई जरूरत के मुताबिक व समय से नहीं हो पाती। समय से उपकरण उपलब्ध न होने से ओटी में ड्रेसिंग भी प्रभावित हो रही है।

छत-आंगन पर बंदरों का कब्जा, दहशत में लोग

- बंदरों का समूह घर में घुसकर सामान उठा ले जाता है, लोगों पर हमला कर घायल कर दे रहा है।
- बंदर काटने पर स्वास्थ्य केन्द्रों पर एंटी रेबीज वैक्सीन की व्यवस्था नहीं हैं, लोगों को कॉल्विन जाना पड़ता है।
- शिकायत पर जिम्मेदार इसे गंभीरता से नहीं लेते जिससे समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा।
- बंदरों के ठिकानों को चिह्नित कर उनकी धरपकड़ की जाए।
- स्वास्थ्य केन्द्रों पर पर्याप्त मात्रा में एंटी रेबीज वैक्सीन की उपलब्धता कराई जाए।
- शिकायतों को गंभीरता से लेकर त्वरित कार्रवाई की जाए।

प्रयागराज। झूंसी में बंदरों ने खासा आतंक मचा रखा है। इलाके में करीब दो सौ से अधिक बंदर हैं जो समूह में विचरण करते हैं। पिछले दिनों में करीब दो दर्जन से अधिक लोग बंदरों के हमले का शिकार बन चुके हैं। कुछ लोगों को तो अस्पताल ले जाना पड़ा। घर में घुसकर सामान एवं कपड़े उठा ले जाना, फ्रिज से फल एवं मिठाई निकाल लेना, छत पर सूख रहे कपड़ों को फाड़ डालना, छोटे बच्चों पर हमला करना आम बात है। इस समस्या से नई झूंसी के धर्मशाला इलाके के अलावा आवास विकास कॉलोनी की योजना दो और तीन के लोग अधिक परेशान हैं।

गर्मी में भोजन–पानी के अभाव में बंदर बेहद आक्रामक हो चले हैं और लोगों को देखते ही उन पर हमला कर दे रहे हैं। आपके अपने अखबार 'हिन्दुस्तान की टीम 'बोले प्रयागराज के तहत जब यहां पहुंची तो लोगों ने बंदरों की धरपकड़ की सख्त जरूरत बताई। आवास विकास कॉलोनी की योजना तीन में रह रहे एजी ऑफिस के रिटायर कर्मी देव बहादुर भार्गव पिछले दिनों छत पर गए थे, इसी दौरान बंदरों के समूह ने उन पर हमला कर दिया। बंदरों के हमले से वह गिर पड़े और उनके कूल्हे व हाथ की हड्डी टूट गई। कई दिन अस्पताल में रहे। उनकी पत्नी पुष्पलता हादसे से बेहद सदमे में हैं और छत पर जाने से डरने लगी हैं। आवास विकास कॉलोनी के घरों में काम करने वाली सुनीता को बंदरों में घेरकर जमकर काटा। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। अस्पताल में इलाज कराना पड़ा और एंटी रेबीज इंजेक्शन लगवाने पड़े। लेकिन सुनीता बंदरों की दहशत से बाहर नहीं निकल पाई हैं। नई झूंसी धर्मशाला निवासी मोहित केसरवानी अपनी दुकान पर बैठे थे इसी दौरान बंदरों का झुंड दुकान के सामान गिराने लगा, मोहित ने उन्हें भगाने की कोशिश की तो बंदरों में घेरकर उन्हें काट लिया जिसके बाद उन्हें उपचार कराने के साथ एंटी रेबीज इंजेक्शन लगवाने पड़े। आवास विकास कॉलोनी की योजना संख्या 3 निवासी अरविंद कुमार की पत्नी माधुरी भारती अपने घर पर थीं इसी दौरान बंदरों के झुंड ने उन पर हमला कर दिया और इस कदर काटा कि उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा। इलाज कराने और एंटी रेबीज इंजेक्शन लगवाने के बाद राहत तो मिली लेकिन बंदरों का खौफ उनके जेहन से निकल नहीं पाया है। यह चार मामले बानगी भर हैं जो इलाके में बंदरों के आतंक की गंभीरता को दर्शाने के लिए काफी हैं। इलाके के बंदर गर्मी में इतने आक्रामक हो गए हैं कि लोगों को अकेले देखते ही उन पर हमला कर दे रहे हैं। नई झूंसी में बंदरों की समस्या

कई दशकों से है लेकिन दिनोंदिन बंदरों के आक्रमक रवैये से लोग हैरान हैं। सुबह–दोपहर बंदर लोगों के घरों में घुस आते हैं और कपड़े सामान आदि लेकर भाग जाते हैं। फ्रिज खोलकर उसमें रखे खाने–पीने के सामान उठा ले जाते हैं, रसोई में घुसकर सब उलट–पलट देते हैं। भगाने की कोशिश पर हमला कर देते हैं। रोज की इस समस्या से लोग परेशान हो चुके हैं। अकेले छत पर जाने से कतराते हैं लोग बंदरों का आतंक नई झूंसी और आवास विकास कॉलोनी में इस कदर है कि लोग अकेले छत पर जाने से कतराते हैं। बताते हैं कि बंदरों का झुंड ऊंची छतों पर अपना डेरा डाले रहता है। छत पर जाने पर लोगों पर हमला कर देते हैं। पानी की टंकी का ढक्कन गिरा कर पानी गंदा करना, गमले गिरा देना, छत पर सूख रहे कपड़े फाड़ देना, घर के बाहर खड़ी गाड़ियों के कवर फाड़ देना जैसे उत्पात के कारण लोग काफी परेशान हैं।

खलती है सरकारी अस्पतालों में एंटी रेबीज वैक्सीन की कमी इलाके के स्वास्थ्य केन्द्रों पर एंटी रेबीज इंजेक्शन उपलब्ध न होना लोगों को बेहद खलता है। लोग सरकारी अस्पतालों का रुख करते हैं तो पता लगता है कि यहां इंजेक्शन उपलब्ध नहीं हैं। इसके लिए लोगों को कॉल्विन अस्पताल जाना पड़ेगा या फिर अपने स्तर पर प्रयास कर निजी अस्पताल में एंटी रेबीज वैक्सीन लगवाना पड़ेगा। इलाके के लोग स्वास्थ्य केन्द्रों पर इसे उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं।

पुरानी चीनी मिल और रोडवेज कार्यशाला है ठिकाना बताते हैं कि बंदरों का समूह नई झूंसी स्थित पुरानी चीनी मिल और रोडवेज की क्षेत्रीय कार्यशाला को अपना ठिकाना बनाए हुए है। यहीं से निकल कर बंदर पूरे इलाके में उत्पात मचाते हैं और शाम होने पर पुनरू अपने ठिकाने पर लौट जाते हैं। अपनी खाने पीने की जरूरत को पूरी करने के लिए इनका समूह अब बस्तियों का रुख कर रहा है।

आबादी वाले इलाके में बंदरों का आतंक बढ़ता जा रहा है आए दिन बंदर किसी न किसी को काट कर जख्मी कर रहे हैं।–प्रखर रवि (टोनू) नई झूंसी में इन दिनों बंदरों का आतंक अधिक हो गया है। लोग बच्चों को घर से अकेले निकलने नहीं देते, छत पर जाने में भी डरते हैं।–रामबाबू केसरवानी छतों व घरों के बाहर बैठे बंदर आए दिन छोटे बच्चों, महिलाओं सहित आम लोगों को काटकर जख्मी कर देते हैं।–अनुज केसरवानी बंदर घरों के अंदर घुसकर आए दिन सामान को बर्बाद कर व तोड़फोड़ करते रहते हैं। इससे स्थानीय लोग परेशान हो गए हैं।– प्रमोद केसरवानी बंदरों के आतंक से लोग इस कदर भयभीत हैं कि घर से काम के लिए बाहर जाते वक्त हाथ में लाठी लेकर निकलते हैं।–राजकुमार बंदर घर के बाहर व छत पर रखे सामान को तोड़कर नुकसान पहुंचा रहे हैं। लोगों ने वन विभाग से कई बार शिकायत की लेकिन कुछ नहीं हुआ।–राकेश केशरवानी बंदर दर्जनों लोगों को काटकर जख्मी कर चुके हैं जिससे यहां के बाशिंदे काफी भयभीत हैं। स्वास्थ्य केन्द्र पर एंटी रेबीज वैक्सीन भी उपलब्ध नहीं रहती।–सरफराज अहमद बंदरों से निजात के लिए स्थानीय प्रशासन सहित वन विभाग के अधिकारियों को जानकारी दी गई लेकिन जिम्मेदारों ने धरपकड़ की कोई पहल नहीं की। – मोहित केशरवानी बंदरों के लगातार हो रहे हमले के बाद प्रशासन की अनदेखी से लोगों में नाराजगी है। इस गंभीर होती जा रही समस्या का समाधान जरूरी है।–ऋषभ बंदरों का झुंड इन दिनों घरों में घुसकर हमला कर रहा है। शिकायत के बावजूद जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे जिससे समस्या बनी हुई है।–सुरेंद्र कुमार बंदरों का आतंक इतना बढ़ गया है कि लोग खुले में बैठ नहीं पाते हैं। छत पर जाने में डर लगने लगा है क्यों कि छत पर बंदर रहते हैं।– रामानन्द सुबह हो या शाम लोग अपनी छतों पर नहीं जा पाते हैं, न जाने बंदर कब हमला कर दे। दिन में भी बंदर घर में घुसकर सामान उठा ले जाते हैं।–मनोज केशरवानी बंदर छतों पर लगी पानी की टंकी, डीटीएच की डिश, केबल, टीन शेड तोड़कर काफी नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्हें भगाने का प्रयास करने पर काट लेते हैं।–शुभम बंदर सामान तोड़ने के साथ–साथ खाद्य सामग्री, अनाज, सब्जियां नष्ट कर देते हैं। शिकायत पर जिम्मेदार इसे गंभीरता से नहीं लेते।–मेश कुमार बंदरों का झुंड छतों से गमले गिराकर नीचे खड़ी गाड़ियों को भी भारी नुकसान पहुंचा रहा है। पानी की टंकी तोड़ दे रहे हैं, कपड़े फाड़ देते हैं।–राम प्रसाद शरारती बंदर महिलाओं व बच्चों को अपना निशाना बना रहे हैं, इस वजह से महिलाएं व बच्चे घर से बाहर निकलने में डर रहे हैं।–शकुंतला देवी बंदरों के हमले की वजह से हम लोग अपने घरों में भी बच्चों व खुद को सुरक्षित नहीं महसूस कर रहे हैं। बाहर या छत पर जाने में डर लगता है।–शिव कुमारी देवी बंदर रसोई में घुसकर सारा सामान, अनाज, सब्जियां और खाना तहस–नहस कर देते हैं। भगाने की कोशिश करते हैं तो काटने का डर बना रहता है। –रुक्मणी देवी

– बंदरों की समस्या यहां काफी पुरानी है, अगर बंदर हमलावर हो रहे हैं तो संबंधित विभाग से सम्पर्क कर समस्या के समाधान का प्रयास किया जाएगा।– अनिल यादव धुन्नू, पार्षद, झूंसी कोहना

अगर बंदर लोगों को काट रहे हैं तो नगर निगम और वन विभाग के अधिकारियों से सम्पर्क कर समस्या के समाधान करा दिया जाएगा। सुमित निषाद बजरंगी, पार्षद, नई झूंसी

– बंदरों को पकड़ने का प्रयास किया गया लेकिन किसी एक बंदर को पकड़ लेने पर इनका समूह घेर लेता है और मुश्किल खड़ी कर देता है। इसके लिए अब पूरे स्टाफ को लगाकर अभियान चलाया जाएगा। लोगों का सहयोग भी अपेक्षित है।–राम अभिलाष , रेंजर फूलपुर, वन विभाग बंदरों की घड़पकड़ का काम वन विभाग का है लेकिन वन विभाग इसके लिए इच्छुक नहीं था, जिसके कारण अब नगर निगम यह कार्य करा रहा है, टेंडर हो चुका है। शीघ्र ही बंदरों की धरपकड़ का काम शुरू हो जाएगा। डॉ. विजय अमृतराज, पशु कल्याण अधिकारी, नगर निगम बंदरों की धरपकड़ का काम वन विभाग और पशुधन विभाग का है, प्रभावित लोग संबंधित विभाग से सम्पर्क करें तो समस्या का समाधान हो सकता है।– सुदर्शन चन्द्रा, जोनल अधिकारी, झूंसी, नगर निगम

रामनगरी अयोध्या को मिलेंगे महाकुंभ में लगे चेंजिंग रूम और मोटरबोट, इन शहरों में जाएंगे पांटून

प्रयागराज। महाकुम्भ में आई मोटरबोट और चेंजिंग रूम रामनगरी आयोध्या भेजे जाएंगे। इसके लिए मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने सोमवार को अफसरों के साथ ऑनलाइन बैठक कर कार्ययोजना पर बात की। इस दौरान तय हुआ कि मोटरबोट अयोध्या व चंदौली भेजी जाएगी, वहीं टिपर कांपेक्टर को नगर निगम प्रयागराज को भेजा जाएगा। महाकुम्भ के समापन के बाद जब 27 फरवरी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रयागराज आए थे तो उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया था कि यहां आए सामान कहां पर इस्तेमाल हो सकते हैं इसकी रिपोर्ट तैयार करें। जिससे प्रदेश के दूसरे जिलों में इसका प्रयोग हो। महाकुम्भ के बाद सभी विभागों के कौन–कौन से सामान बचे और दूसरे जिलों में इस्तेमाल हो सकते हैं, इसकी एक व्यापक रिपोर्ट तैयार की गई। सोमवार को मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने ऑनलाइन बैठक की। जिसमें कुम्भ मेलाधिकारी विजय किरन आनंद भी जुड़े थे। जल निगम के जेनरेट सभी 17 नगर निगम भेजे जाएंगे। मेले में लगाए गए वाटर एटीएम को अयोध्या, विंध्याचल, मथुरा, कानपुर पनकी के लिए भेजा जाएगा।

इसके साथ ही पीडब्ल्यूडी की चकर्ड प्लेट और पांटून मिर्जापुर, गोरखपुर, लमीखपुर और कानपुर भेजे जाएंगे। वहीं चकर्ड प्लेट का प्रस्ताव मंगलवार सुबह मंडलायुक्त के सामने रखा जाएगा। इसके साथ ही मेले के दौरान खरीदे गए टिपर और कांपैक्टर नगर निगम प्रयागराज को सौंपे जाएंगे।

स्वास्थ्य विभाग के उपकरण यही रहेंगे

स्वास्थ्य विभाग के सभी उपकरण यहीं पर रहेंगे। इसमें मेले के दौरान आईं पैथेलॉजी लैब की मशीने, एक्सरे मशीन व अन्य उपकरण को एसआरएन, बेली और कॉल्विन भेजा जाएगा।

नगर निगम प्रयागराज को देंगे सफाई वाहन

महाकुम्भ के दौरान सफाई वाहन खरीदे गए थे। वर्तमान में यह वाहन मेला प्राधिकरण कार्यालय में हैं। इसे नगर निगम प्रयागराज को देंगे। कुछेक वाहन मेला प्राधिकरण अपने पास रखेगा और कुछ वाहनों को दूसरे जिलों में भेजेगा। मंडलायुक्त, विजय विश्वास पंत ने कहा कि मोटर बोट और चेंजिंग रूम अयोध्या के लिए भेजा जाएगा। वहीं प्रदेश के 17 नगर निगमों में भी यहां से सामान भेजा जाएगा। शेष सभी विभागों के सामानों को भेजने की कार्ययोजना तैयार हो गई है।

नगर निगम की रिपोर्ट से लटका महामना का राष्ट्रीय स्मारक

प्रयागराज। महामना भारत रत्न पं. मदन मोहन मालवीय के मालवीय नगर स्थित पुश्तैनी घर को राष्ट्रीय स्मारक बनाने की दिशा में भले ही तैयारी चल रही है, लेकिन नगर निगम की आख्या अब तक नहीं तैयार हो सकी है, जिसकी वजह से मामला लटका हुआ है। महामना के पुश्तैनी मकान को राष्ट्रीय स्मारक बनाने की घोषणा सरकार पहले ही कर चुकी है। सीएम के निर्देश पर सात जनवरी को एडीएम वित्त एवं राजस्व विनय कुमार सिंह ने एसडीएम सदर अभिषेक सिंह की अध्यक्षता में कमेटी भी गठित कर दी। इसमें पीडब्ल्यूडी प्रांतीय खंड के अधिशासी अभियंता पीके राय, पांडुलिपि अधिकारी गुलाम सरवर व अपर नगर आयुक्त द्वारा नामित अधिकारी सदस्य बनाए गए हैं। इनको स्थानीय स्तर पर घर की भूमि, भवन के स्वामित्व का विवरण, उसका मूल्यांकन व पुश्तैनी घर के मुख्य मार्ग से घर तक पहुंचने वाले मार्ग से संबंधित आख्या देनी थी। राजस्व विभाग की ओर से लेखपाल ने पुश्तैनी घर की आख्या कर रिपोर्ट सौंपी दी है, जबकि प्रांतीय खंड ने घर के नजदीकी मुख्य मार्ग से पैतृक भवन तक पहुंचने वाले मार्ग की चौड़ाई व दूरी आदि की आख्या कमेटी को दी है। निगम के जोनल–2 इंचार्ज श्याम कुमार को घर की भूमि व भवन का विवरण की आख्या कमेटी को सौंपने का निर्देश दिया गया था। ऐसे महत्वपूर्ण कार्य के लिए आख्या नहीं दिए जाने पर उन्हें फटकार भी लगाई जा चुकी है। जोनल–2 इंचार्ज श्याम कुमार का कहना है कि आख्या लेखपाल के जरिए भेजी गई है।

लाल फंगस वाले गन्ने का जूस दे रहा पेट की बीमारी

प्रयागराज। भीषण गर्मी को देखते हुए बाजार में तरह–तरह के शीतल पेय पदार्थ बिक रहे हैं। इसमें सबसे सुलभ और सस्ता है गन्ने का जूस। शहर के हर चौराहे पर आठ–दस गन्ने के जूस बेचने वाले ठेले लगे हैं। गर्मी से राहत के लिए लोग गन्ने का जूस पीते हैं लेकिन यदि आप गन्ने का जूस पी रहे हैं तो हो सकता है कि लाल फंगस लगे हुए गन्ने का जूस हो क्योंकि लाल

फंगस वाले गन्ने का जूस सेहत पर भारी पड़ रहा है। डॉक्टरों के अनुसार फंगस वाले जूस को पीने से पेट दर्द, उल्टी, डायरिया व लिवर की बीमारी हो सकती है। एसआरएन व बेली अस्पताल के गैस्ट्रो विभाग की ओपीडी में पिछले दो दिनों में नौ मरीज आ चुके हैं। व्यापारियों के अनुसार मुंडेरा मंडी में इस समय गन्ने की आवक पुणे से अधिक हो रही है। सामान्य तौर पर उत्तर प्रदेश में गन्ने की फसल अक्तूबर में तैयार होती है लेकिन पुणे से आ रहे गन्ने में लाल फंगस अधिक मिल रहा है।

शत्रुंजय शर्मा को एनसीटीई ने बनाया मेंटर

प्रयागराज। परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक शत्रुंजय शर्मा को राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के नेशनल मिशन फॉर मेंटरिंग (एनएमएम) प्रोग्राम के तहत चुना गया है। उन्हें डिजिटल शिक्षा, व्यावसायिकता और नैतिकता, 21वीं सदी के कौशल, मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता, डिजिटल शिक्षा साक्षरता, भारतीय ज्ञान प्रणाली जैसे डोमेन के लिए मेंटर के रूप में चुना गया है। मेंटर के रूप में उनकी भूमिका शिक्षकों को मार्गदर्शन, सलाह, प्रतिक्रिया और सहायता प्रदान करना है। मेंटरिंग सत्र एक समर्पित एनएमएम पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आयोजित किए जाएंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 में एक राष्ट्रीय मिशन फॉर मेंटरिंग (एनएमएम) की परिकल्पना की गई है, ताकि उत्कृष्ट पेशेवरों (मेंटर्स) का एक बड़ा समूह बनाया जा सके, जो स्कूली शिक्षकों को अल्पकालिक और दीर्घकालिक व्यावसायिक सहायता प्रदान करने के लिए तैयार हों। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने एनसीटीई को एनएमएम के तौर–तरीकों को विकसित करने की जिम्मेदारी सौंपी है।

एक जून को मनाया जाएगा सेना शिक्षा दिवस

प्रयागराज। भारतीय सेना शिक्षा कोर के पूर्व सैनिक एवं प्रबुद्ध शिक्षकों ने एक जून को सेना शिक्षा कोर का 105वां स्थापना दिवस भव्यता के साथ मनाने का निर्णय लिया है। कार्यक्रम के अंतर्गत आपसी मेलमिलाप, आगामी सत्र की शैक्षिक योजनाएं और समाज में शिक्षक की अहम भूमिका को लेकर संगोष्ठी आयोजित की जाएगी।

योगासन प्रतियोगिता में भागवंती सरस्वती विद्या मंदिर की छात्राओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन

मुजफ्फरनगरसभागवंती सरस्वती विद्यामंदिर इंटर कॉलेज, मुज़फ़्फ़रनगर की छात्राओं ने जिला योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन मुज़फ़्फ़रनगर द्वारा आर्य समाज मंदिर में आयोजित चतुर्थ जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता में अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विभिन्न वर्गों में पदक प्राप्त किए। सब जूनियर वर्ग में विद्यालय की छात्रा रिया ने प्रथम व वर्तिका ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया

तथा जूनियर वर्ग में उर्विका प्रथम तथा वंशिका तृतीय स्थान पर रहीं। विद्यालय प्रांगण में प्रार्थना सभा के समय विद्यालय में उपस्थित अतिथि डॉक्टर दिनेश शर्मा जी तथा प्रबंधक श्रीमान प्रमोद तिवारी जी द्वारा प्रशस्ति पत्र और मेडल पहनाकर विजयी छात्राओं को सम्मानित किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉक्टर वंदना शर्मा ने विजयी छात्राओं को समस्त विद्यालय परिवार की ओर से बधाई दी और शारीरिक शिक्षिका सीमा सिंह वह प्रतिभागी छात्राओं को आगामी प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर विद्यालय में पधारें भारतीय इंटर कॉलेज नगला मंदौड के अंग्रेज़ी प्रवक्ता डॉक्टर दिनेश शर्मा ने अपनी पुस्तक ब्लीडिंग बॉर्डर के विषय में भी छात्राओं को अवगत कराया। इस अवसर पर समस्त आचार्य बंधु –बहनों के साथ समस्त स्टाफ़ उपस्थित रहा।

प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने स्काउट गाइड का बढ़ाया उत्साह

राज्य पुरस्कार जाँच शिविर (स्काउट/गाइड) हो रहा है नियमानुसार संचालित

मुजफ्फरनगर। भारत स्काउट और गाइड उत्तर प्रदेश द्वारा स्काउट/गाइड राज्य पुरस्कार जाँच शिविर में पहुंचे राष्ट्कीय सामाजिक संस्था के अध्यक्ष प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए स्काउट और गाइड संस्था की कार्यप्रणाली की सराहना की।

भारत स्काउट और गाइड उ. प्र. प्रादेशिक मुख्यालय, लखनऊ के एवं प्रादेशिक मुख्यायुक्त डा. प्रभात कुमार जी के निर्देशन में जनपद मुजफ्फरनगर में पाँच दिवसीय राज्य पुरस्कार जांच शिविर (स्काउट/गाइड) दिनांक 20–05–2025 से 24–05–2025 तक वैदिक पुत्री पाठशाला कन्या इंटर कॉलेज, नई मंडी जनपद मुजफ्फरनगर में शिविर संचालिका (गाइड) श्रीमति रिहाना सुल्तान एवं शिविर संचालक (स्काउट) श्री संजय कुमार गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित किया जा रहा है। शिविर में 17 स्काउट एवं 30 गाइड कुल 47 प्रतिभागी प्रतिभाग कर रहे हैं। द्वितीय दिवस में टैस्ट कार्ड के अनुसार परीक्षाएं सम्पन्न हुई। इस अवसर पर स्काउट गाइड शिविर में पहुंचे प्रमुख समाजसेवी मनीष चौधरी ने प्रतिभाग कर रहे बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संस्था की सराहना करते हुए कहा कि स्काउट और गाइड के द्वारा देश की युवा पीढ़ी के भीतर राष्ट्कवाद और समाज की सेवा के प्रति जो भी भावना जागृत की जा रही है वो सराहनीय है। उन्होंने सभी बच्चों को उत्कृष्ट सफलता के लिए शुभाशीष भी प्रदान किया।

शिविर के द्वितीय दिवस में सहा.प्रादेशिक संगठन कमिश्नर (स्काउट) मेरठ एवं सहारनपुर मण्डल श्री मयंक शर्मा जी, जिला आयुक्त (गाइड) डा. राजेश कुमारी जी,जिला आयुक्त एडल्ट रिसोर्स श्री संतोष कुमार वर्मा,श्री भारत भूषण अरोरा जी,श्रीमती प्रभा दहिया जी, गुंजन,ज्योति रानी,अनुज आदि उपस्थित रहे। शिविर में सफलता प्राप्त करने वाले स्काउट–गाइड को महामहिम राज्यपाल महोदय जी एवं प्रादेशिक मुख्यायुक्त जी हस्ताक्षरित प्रमाण पत्र प्राप्त होगा। शिविर के द्वितीय दिवस में समाज सेवी श्री मनीष चौधरी जी ने सभी स्काउट–गाइड को आपसी सहयोग से कार्य करते हुए समाज को महत्वपूर्ण योगदान देने हेतु प्रेरित किया।

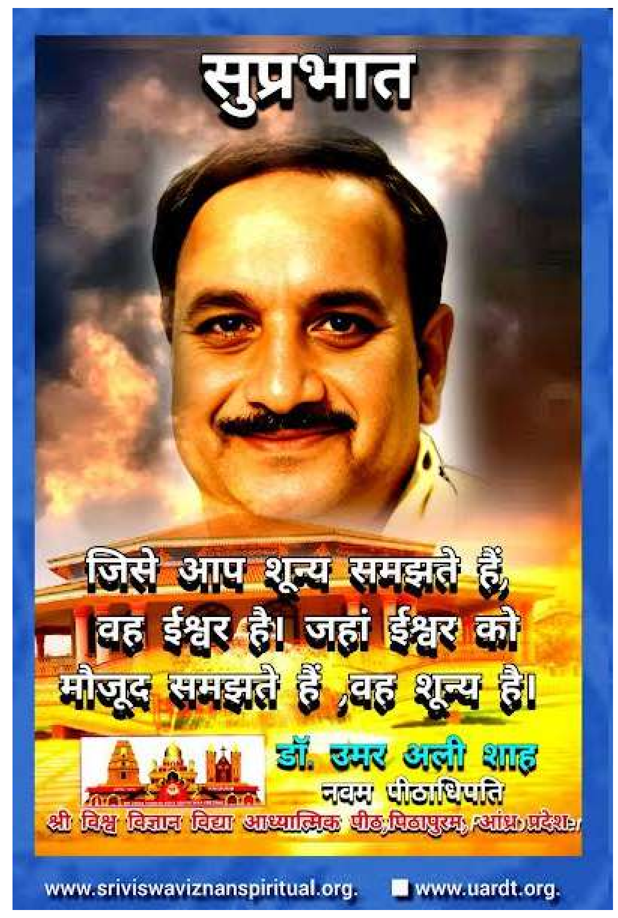

बाग हुए खुशहाल

(कुण्डलिया)

बचपन लौटा गाँव में, बाग हुए खुशहाल।
गर्मी की छुट्टी हुई, पूछो नहीं सवाल।
पूछो नहीं सवाल,किताबों से है फुरसत।
परेशान है धूप, यहाँ गर्मी नतमस्तक।
सुन लो कहें प्रदीप, खेल का अद्भुत अनबन।
घर भी है गुलजार, लौटकर आया बचपन।।

मिलना–जुलना खेलना, खाना–पीना साथ।
करते हैं बच्चे पकड़, इक दूजे का हाथ।
इक दूजे का हाथ,बने छुट्टी की रौनक।
रिश्ते करें कमाल, लिखें जब नई कथानक।
सुन लो कहें प्रदीप,शपथ ले कर यह कहना।
बन्द न होगी बात, और यह मिलना–जुलना।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज मुजफ्फरनगर में ग्रीष्मकालीन कैंप का शुभारंभ

मुज़फ्फरनगर। पी एम श्री राजकीय इंटर कॉलेज में प्रातरू07. 00बजे प्रधानाचार्य लेफ्टिनेंट नितिन कुमार के कर –कमलों द्वारा मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया संगीत शिक्षिका पूनम रानी ने मान सरस्वती की वंदना करते हुए अपनी प्रस्तुति दी। कैंप के प्रथम दिवस खेल एवम् शारीरिक शिक्षिका

सीमा ने उपस्थित विद्यार्थियों को रोज की जाने वाली एक्सरसाइज तथा योग की मुद्राओं पद्मासन, ताड़ासन, कपालभाति, भुजंगासन आदि का अभ्यास कराया। ष मैं हूँ देशजष तथा ष्मैं हूँ लेखकष शीर्षक पर विद्यार्थियों ने अपना परिचय दिया। श्री अनिल कुमार जी के द्वारा रस्सी कूद तथा भूपेन्द्र सिंह आर्य के द्वारा रस्साकसी गतिविधियों को कराया गया। अंत में विद्यार्थियों के तीन समूह बनाकर उन्हें म्यूजिकल चेयर खेल ब्रह्मप्रकाश जी के द्वारा खिलाया गया।कैंप के प्रथम दिवस 286 विद्यार्थियों ने कैंप में उपस्थित होकर गतिविधियों को करते हुए कैंप का आनंद लिया। प्रधानाचार्य जी द्वारा विद्यार्थियों को लेखन तथा खेलों का महत्व बताते हुए कैंप में नियमित आने के लिए प्रोत्साहित किया। अंत में 10.00बजे जलपान कराकर विद्यार्थियों को अगले दिन होने वाली गतिविधियों की जानकारी देकर विदा किया गया।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन की अध्यक्षता में आयोजित किया गया किसान दिवस, सुनी गईं किसानों की समस्याएं

–अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए, किसानों की समस्याओं का समय अंतर्गत निस्तारण किया जाए

–किसानों को किसान हित में चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी संबंधित अधिकारियों द्वारा प्रदान की गई

मुजफ्फरनगर। अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री संजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में जिला पंचायत के सभागार में आयोजित किया गया। किसान दिवस में कृषकों को गत किसान दिवस की शिकायतों के निस्तारण की जानकारी उपनिदेशक कृषि द्वारा दी गयी, तथा आयोजित किसान दिवस में कृषकों की विभिन्न विभागों की 91शिकायतें प्राप्त हुई तथा कृषकों को कृषि एवं कृषि से जुडे विभागों की योजनाओं की जानकारी संबंधित विभाग के अधिकारी द्वारा दी गयी।

एकीकृत रूप से कृषि एवं अन्य विभागों द्वारा संचालित योजनाओ की सम्पूर्ण जानकारी के साथ किसानो के लाभ के लिये संचालित योजनाओं में दी जा रही सुविधाओं की विस्तृत जानकारी, किसानो को अनुदान पर कृषि निवेश एवं अन्य उपकरणों की जानकारी, संचालित योजनाओं के लाभार्थियों के चयन की प्रक्रिया सम्बन्धी जानकारी, किसानो को विभिन्न विभागों द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं के लाभों से अवगत कराया। उक्त सभी समस्याओं के विषय में अपर जिलाधिकारी प्रशासन द्वारा उपस्थित अधिकारियों को स्वयं संज्ञान लेकर शिकायतों का समय से निस्तारण कराने हेतु निर्देशिता किया गया तथा निस्तारण आख्या की साफ्ट कापी जन शिकायत मोबाईल ऐप पर अपलोड करने तथा हार्ड कापी उप कृषि निदेशक कार्यालय में उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया तथा आगामी किसान समाधान दिवस पर सम्बन्धित अधिकारियों को समय से किसान समाधान दिवस में उपस्थित होने हेतु भी निर्देशित किया अन्त में उपनिदेशक कृषि संतोष कुमार ने सभी कृषकों एवं अधिकारियों का आभार व्यक्त करते हुए किसान दिवस का समापन किया

किसान दिवस में नगर मजिस्ट्रेट विकास कश्यप, क्षेत्राधिकार सदर, श्री राजू कुमार साहू, उपनिदेशक कृषि संतोष कुमार, जिला कृषि अधिकारी श्री राहुल सिंह तेवतिया सहित संबंधित विभाग के अधिकारी गण एवं किसान उपस्थित रहे।

सूने घर राह देखते हैं अपनों की

भुला दिये घर बार गाँव के, शहर चले आये,
तन्हा छोडा आँगन, उसमें पीपल ऊग आये।
पूछ रही दीवारें, दरवाजे भी अलख जगाते,
घायल घर की सुध लेने, कोई घर आ जाये।
जीवित है इतिहास, इन्हीं दर औश दीवारों में,
आँगन की आस आज भी, बचपन इठलाये।
था साँझा परिवार, एक ही चूल्हा जलता था,
तन्हाई में व्यथित घर, द्वार पर आँख गडाये।

डॉ. अ कीर्ति वर्द्धन

परशुराम जन्मोत्सव समारोह समिति की एक बैठक हुई सम्पन्न

मुजफ्फरनगर। भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव समारोह समिति की एक बैठक संजय मिश्रा के प्रतिष्ठान पर हूई जिसमें समाज के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई जिसमें मुख्यतः ब्राह्मण व त्यागी भुमिहार को एकजुट करने की बात पर चर्चा हुई व जातिगत जनगणना जो होने की बात चल रही है उस पर भी विचार विमर्श किया गया स्वामी श्री भगवान आश्रम ने कहा कि सभी को एकजुट रहकर समाज के कार्य करने चाहिए ओर अपनी ताकत का एहसास कराना चाहिए व संजय मिश्रा ने कहा

कि हमें समाज को सुदृढ़ व बच्चों को संस्कार वान बनाने पर ध्यान देना चाहिए आज की पीढ़ी जो मोबाइल युग में खोती जा रही उनपर भी ध्यान देने की जरूरत है फिर सभी ने जलपान किया व आए हुए सभी समाज के गणमान्य लोग को भगवान श्री परशुराम जी का प्रतीक चिन्ह सुरेन्द्र सुभाष ब्रह्मप्रकाश जी द्वारा वितरित किया गया ईस बैठक में शामिल रहे श्री भगवान आश्रम संजय मिश्रा ब्रह्मप्रकाश शर्मा सुरेंद्र शर्मा सुभाष शर्मा सुशील शर्मा महेश वत्स लोकराज कोशिक रमन शर्मा रोहित शर्मा राकेश त्यागी राघव मिश्रा आलोक शर्मा रवि शर्मा सुखबीर सिंह अमित शर्मा अनिकेत शर्मा निशांत शर्मा संदीप शर्मा हरीश गोतम लक्ष्मण शर्मा अविनाश शर्मा संजय गोतम मनीष मेहता मनोज कोशिक अंकुर शर्मा आदि मौजूद रहे और सभी ने भगवान श्री परशुराम जी के उदघोष किया गया।

पुरानी पेंशन की मांग के लिए आदर्श माध्यमिक शिक्षक संघ का धरना

लखनऊ, संवाददाता। पुरानी पेंशन की मांग के लिए आदर्श माध्यमिक शिक्षक संघ से जुड़े शिक्षक आज लखनऊ में हैं। वे तेज धूप और तपिश में भी नारेबाजी और प्रदर्शन कर रहे हैं।। संघ की ओर से लगाया गया पंडाल छोटा पड़ गया तो कुछ शिक्षक कुर्सी लेकर छांव में बैठ गए। कई जिलों से 1 हजार से ज्यादा शिक्षक लखनऊ पहुंचे हैं। पार्क रोड स्थित माध्यमिक शिक्षक निदेशक की शिविर कार्यालय में शिक्षकों का प्रदर्शन चल रहा है। जमकर नारेबाजी कर रहे हैं। ध ारना दे रहे शिक्षक पुरानी पेंशन लागू करने की मांग कर रहे हैं। इनका कहना है कि सीएम योगी ईमानदार हैं, पर इनको अफसर गुमराह कर देते हैं। इसी वजह से पुरानी पेंशन लागू नहीं हो रही है। कहा सरकार ने पुरानी पेंशन के लिए 2005 से पहले नियुक्ति पाने वाले शिक्षकों को मान्यता दी है। ऐसे में उनकी नियुक्ति 2003 से पहले की है, लेकिन पुरानी पेंशन की सुविधा नहीं दी गई। आदर्श शिक्षक संघ की प्रदेश अध्यक्ष डॉ.आशा लता सिंह ने बताया कि दैनिक भास्कर को बताया कि साल 2001 2300 से ज्यादा शिक्षकों की नियुक्ति हुई थी तब माध्यमिक शिक्षक परिषद में वित्तीय कारणों से असमर्थता जताते हुए मानदेय पर इन शिक्षकों को रखा था और भरोसा दिया था कि बाद में सभी को परमानेंट कर लिया जाएगा। साल 2007 में सभी को एडेड स्कूलों में परमानेंट नियुक्ति दी गई। सभी का एक्सपीरियंस भी पहले दिन से ही काउंट किया गया पर पुरानी पेंशन स्कीम से इन सभी शिक्षकों को वंचित कर दिया गया जबकि शासनादेश है कि 2005 से पहले नियुक्ति पाने वाले कार्मिकों को इसकी सुविधा दी जाएगी। इसको लेकर लंबे समय से शिक्षक अधिकारियों से लेकर मुख्यमंत्री तक गुहार लगा रहे हैं। कई बार जनता दर्शन में भी इसके लिए प्रार्थना पत्र दिया गया। गोरखपुर के जनता दर्शन में मुख्यमंत्री से मिलकर भी गुहार लगाई गई। उन्होंने भरोसा दिया कि इस मामले में विचार किया जाएगा पर अब तक शिक्षकों के पक्ष में कोई आदेश नहीं जारी किया गया। विभागीय अफसर से जब इस संबंध में बात की जाती है तो वे कहते हैं कि मुख्यमंत्री आदेश देंगे तो सभी शिक्षकों को पुरानी पेंशन की सुविध ा मिल जाएगी। इसके बाद जब मुख्यमंत्री के यहां प्रार्थना पत्र दिया जाता है तो ये ऑफिसर उनको गुमराह कर देते हैं। आईजीआरएस में भी शिकायत करने पर निस्तारित करके रिपोर्ट लगा दी जाती है। शिक्षक कई जगह प्रार्थना पत्र दे चुके पर कहीं भी सुनवाई नहीं हुई। ऐसे में मजबूर होकर बुधवार को शिविर कार्यालय में प्रदर्शन करना पड़ रहा।प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि आज एक दिवसीय सांकेतिक ध ारना है। यदि कोई सुनवाई नहीं होगी तो आगे भी प्रदर्शन जारी रहेगा। लखीमपुर खीरी से आया अवधेश कुमार यादव कहते हैं साल 2001 में माध्यमिक शिक्षा विभाग में नियुक्ति मिली थी बाद में 2007 में परमानेंट कर दिया गया। पर अभी तक पुरानी पेंशन का लाभ नहीं मिल रहा। कई ऐसे शिक्षक हैं जो रिटायर हो गए पर उन्हें भी पेंशन नहीं मिली। हम लोगों के साथ ये अन्याय हो रहा जब नियुक्ति 2005 से पहले हुई तो अब तक क्यों पुरानी पेंशन का लाभ नहीं मिला।

धूप खिली, सुबह से चल रही तेज हवा, मौसम विभाग ने बूंदाबांदी की संभावना जताई

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में तेज धूप है। सुबह से हवा चल रही है। सुबह बादल घिर आए थे। मौसम विभाग का कहना है कि आज बारिश के साथ बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। इस दौरान बादलों की गरज–चमक भी हो सकती है। तेज पूर्वी हवा के चलने से पिछले दो दिनों से लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस रहेगा। वहीं, मंगलवार देर रात न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मंगलवार को लखनऊ में अधिकतम तापमान 39.1 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य तापमान से 1.1 डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री दर्ज किया गया। सुबह के समय में काले बादल छाए रहे। इसके बाद मौसम साफ हुआ। दोपहर में तेज धूप के साथ में तेज पूर्वी नम हवाओं का असर भी दिनभर बना रहा। पाकिस्तान से बांग्लादेश तक चल रही तेज पूर्वी नम हवाओं के प्रभाव से बुंदेलखंड को छोड़कर प्रदेश में अधिकतम तापमान सामान्य से कम दर्ज किया गया है, लेकिन ह्यूमिडिटी में हीट इंडेक्स बढ़ने के कारण आभासी तापमान वास्तविक तापमान से अधिक होने के परिणामस्वरूप उमस भरी गर्मी अभी भी जारी है, जबकि बुंदेलखंड और आसपास के क्षेत्रों में अभी तक आ रही पछुआ के कारण बांदा और झांसी में 45 से0 से अधिक तापमान दर्ज किया गया। इस दौरान प्रदेश के तराई इलाकों में तेज झोंकेदार हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश भी रिकार्ड की गई। आगामी 24 से 48 घंटों के दौरान इन परिस्थितियों में कोई विशेष परिवर्तन नहीं होने, 22 मई को अरब सागर में संभावित निम्न दाब क्षेत्र और इसके उत्तर दिशा की ओर बढ़ने से अरब सागर से आने वाली नम दक्षिणी–पश्चिमी हवाओं का प्रदेश में चल रही पुरवा हवाओं के साथ समागम होगा।

ट्रैक्टर की टक्कर से छात्रा की मौत,2 साथियों के साथ बाइक से घर लौट रही थी

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ में बुधवार दोपहर परीक्षा देकर बाइक से लौट रहे तीन लोगों को ट्रैक्टर ने टक्कर मार दी। ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक पर सवार एक छात्रा समेत तीनों लोग घायल हो गए। पुलिस राहगीरों की मदद से तीनों को सीएचसी ले गई। जहां छात्रा को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ट्रैक्टर के चालक के विषय में जानकारी जुटा रही है। माल पुलिस के मुताबिक बुधवार दोपहर को अटारी के पास एक ट्रैक्टर ने बाइक में टक्कर मार दी। जिसे बाइक (नंबर यूपी 31 बीवाई 4916) पर सवार इलाके के बबलू गौतम (18), अंकुल गौतम (20) और कांति देवी (22) गंभीर रूप से घायल हो गए। यह लोग नवादा से बीए की परीक्षा देकर एक ही बाइक से लौट रहे थे।

नगर निगम के नाराज कर्मचारी करेंगे आंदोलन,कर्मचारियों के लिए चलाएंगे जागरूकता अभियान

लखनऊ, संवाददाता। नगर निगम और जलकल कर्मचारी संघ लखनऊ की नवगठित कार्यकारिणी की बैठक में कर्मचारियों ने विभागीय और शासन स्तर की लंबित समस्याओं पर चर्चा की और जल्द समाधान की मांग की। संघ अध्यक्ष आनंद मिश्र और प्रदेश अध यक्ष शशिकुमार मिश्र की अध्यक्षता में हुई बैठक में कर्मचारियों ने कई मुद्दे उठाए। इनमें सेवानिवृत्ति पर ग्रेच्युटी, बची छुट्टियों का भुगतान, पेंशन बुक, और नगर निगम जैसी सुविधाएं देने की मांग शामिल थी।

सम्पादकीय.......

भीतर के दुश्मन

भारत–पाकिस्तान संघर्ष के बीच कुछ देश विरोधी तत्वों का पर्दाफाश होना चौंकाता है कि कैसे कुछ लोग पैसे व शानोशौकत के लालच में देश की सुरक्षा व लोगों का जीवन भी दांव पर लगा देते हैं। देश के भीतर ये दुश्मन बेहद घातक हैं। पाकिस्तानी जासूसी एजेंसी आईएसआई से ताल्लुक रखने पर पिछले दिनों हरियाणा, पंजाब व यूपी के कुछ लोगों की गिरफ्तारी ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। ये एक गंभीर चुनौती है और हमारी कानून प्रवर्तन एजेंसियों और खुफिया संस्थाओं को अब इस चुनौती को गंभीरता से लेना होगा। ये तत्व न केवल जासूसी में लिप्त थे बल्कि भारत विरोधी प्रचार का भी हिस्सा थे। जो देश की राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ ही सांप्रदायिक सद्भाव को भी खतरे में डाल सकते हैं। यह कितना दुर्भाग्यपूर्ण है कि हरियाणा की रहने वाली सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ज्योति कथित तौर पर हाल के ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के एक कर्मचारी के संपर्क में थी, जिसे हाल ही में भारत विरोधी गतिविधियों के लिये देश से निकाला गया। इस मामले में चल रही जांच से पता चला है कि 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले से पहले ज्योति कश्मीर गई और उससे पहले पाकिस्तान गई थी। उस पर पाक के खुफिया अधिकारियों को संवेदनशील जानकारी देने के आरोप हैं। यूपी के रहने वाले शहजाद और नौमान इलाही पर भी इसी तरह के आरोप हैं। पंजाब में मालेरकोटला के दो लोगों को भी जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया। जांच एजेंसियों को पता लगाना होगा कि क्या इन आरोपियों की सैन्य या रक्षा अभियानों से संबंधित जानकारी तक सीधी पहुंच थी या वे इसे उच्च पदस्थ स्रोतों से प्राप्त कर रहे थे? रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियां ज्योति को एक खुफिया एजेंट के रूप में तैयार कर रही थीं। वह सीमा पार से चलाए जा रहे नेटवर्क का हिस्सा थी। उम्मीद है कि पूछताछ में ऐसे सबूत मिल सकते हैं जो भारत के खिलाफ बड़ी साजिशों का खुलासा कर सके। निस्संदेह, भारत विरोधी शक्तियों के हाथ में खेलकर देश को मुश्किल में डालने का यह कृत्य परेशान करने वाला है। बहुत संभव है कि जासूसी कांड में लिप्त ये भारतीय बड़े आर्थिक प्रलोभनों के लालच में पाक एजेंटों के जाल में फंसे हों। निस्संदेह, इन लोगों की परवरिश में कहीं चूक रही है जो इन्हें यह बोध नहीं करा सकी कि चंद पैसों व सुविधाओं के लालच में देश के साथ गद्दारी नहीं करनी चाहिए। निश्चय ही यह खुलासा राष्ट्रघाती खेल का छोटा हिस्सा है, आने वाले समय में और बड़ी मछलियां इस दलदल में पकड़ी जा सकेंगी। आने वाले वक्त में कई ऐसे जासूसों का खुलासा हो सकता है, जो आतंकवादियों को भारत की धरती पर हमला करने का इनपुट दे रहे हों। केंद्र व राज्य सरकारों, मीडिया और जनता को मिलकर ऐसे तत्वों को बेनकाब करने में मदद करनी चाहिए ताकि देश मे छुपी इन काली भेड़ों को बाहर किया जा सके। एक छलकपट वाले सूचना युद्ध के माध्यम से देश को नुकसान पहुंचाने की आईएसआई की साजिश को सख्ती से नाकाम किया जाए। विडंबना है कि पाकिस्तान भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गलत फायदा उठा रहा है। वह सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ज्योति का इस्तेमाल न केवल जासूसी के लिये कर रहा था बल्कि भारत के खिलाफ प्रचार तथा पाक की छवि को सुधारने के लिये भी कर रहा था। ज्योति पर आरोप है कि वह सोशल मीडिया के जरिये पाक की उजली छवि गढ़ रही थी। आरोप ये भी कि उसकी एक पाक खुफिया अधिकारी से अंतरंगता रही है, जिसके साथ वह बाली घूमने भी गई थी। पाक दूतावास की एक पार्टी के वीडियो में भी वह नजर आई है। दरअसल, सूचना क्रांति के इस दौर में विदेशी खुफिया एजेंसियां टेलीग्राम, स्नैपचौट व व्हाटसएप आदि के जरिये भारतीय मददगारों से संपर्क साध रही हैं, जिस पर हमारी प्रवर्तन एजेंसियां आसानी से नजर नहीं रख सकती। पुलिस को आधुनिक उपकरणों के साथ इस बाबत कुशल प्रशिक्षण देना चाहिए। बहरहाल, देश विरोधी तत्वों की निगरानी तेज करना वक्त की जरूरत है।

सेना और न्यायपालिका के सम्मान का सवाल

डॉ. दीपक पाचपोर

जस्टिस गवई ने कहा कि वो इस तरह की छोटी बातों में नहीं उलझना चाहते हैं, लेकिन उन्हें इसे सार्वजनिक रूप से बताने की जरूरत महसूस हुई ताकि लोग इसके बारे में जानें।

देश के नए मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई अपना पद संभालने के बाद रविवार को पहली बार अपने गृहराज्य महाराष्ट्र पहुंचे थे। लेकिन उनकी अगवानी के लिए महाराष्ट्र की मुख्य सचिव सुजाता सौनिक, पुलिस महानिदेशक रश्मि शुक्ला और मुंबई के पुलिस आयुक्त देवेन्द्र भारती, तीनों वरिष्ठ अधिकारी नहीं पहुंचे। यह बात आई–गई हो जाती, अगर खुद जस्टिस गवई इसका जिक्र नहीं करते। क्योंकि मौजूदा दौर के मीडिया में ऐसी बातों का जिक्र अब नदारद है। खुद जस्टिस गवई ने इस बात को छोटा मुद्दा ही बताया, लेकिन जो कुछ उन्होंने कहा उससे जाहिर होता है कि यह मामूली अनदेखी नहीं थी। महाराष्ट्र–गोवा बार काउंसिल के कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि, श्मैं ऐसे छोटे–मोटे मुद्दों पर बात नहीं करना चाहता, लेकिन मैं इस बात से निराश हूं कि महाराष्ट्र के बड़े अफसर प्रोटोकॉल का पालन नहीं करते। लोकतंत्र के तीनों स्तंभ समान हैं और उन्हें एक–दूसरे के प्रति सम्मान दिखाना चाहिए। प्रोटोकॉल कोई नई चीज नहीं है। यह एक संवैधानिक निकाय द्वारा दूसरे को दिए जाने वाले सम्मान का सवाल है। सीजेआई गवई ने कहा, जब किसी संवैधानिक संस्था का प्रमुख पहली बार राज्य का दौरा करता है तो उसके साथ जिस तरह का व्यवहार किया जाता है, उस पर पुनर्विचार किया जाना चाहिए। जस्टिस गवई ने कहा कि वो इस तरह की छोटी बातों में नहीं उलझना चाहते हैं, लेकिन उन्हें इसे सार्वजनिक रूप से बताने की जरूरत महसूस हुई ताकि लोग इसके बारे में जानें। इसके आगे उन्होंने हल्के फुल्के अंदाज में कहा, अगर मेरी जगह कोई और होता तो अनुच्छेद 142 के बारे में चर्चा होने लगती। ये छोटी–छोटी बातें लग सकती हैं, लेकिन लोगों को इनके बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि संविधान का अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को न्यायिक कार्यवाही में पूर्ण न्याय देने के लिए जरूरी आदेश जारी करने का अधिकार देता है। इसके तहत न्यायालय को व्यक्तियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए निर्देश जारी करने का भी अधिकार है। कुछ समय पहले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने न्यायपालिका के शक्तिशाली होने के संदर्भ में इस अनुच्छेद को परमाणु मिसाइल कहा था। बहरहाल, जस्टिस गवई की टिप्पणी के कुछ घंटे बाद तीनों शीर्ष अधिकारी दादर स्थित चौत्यभूमि पहुंचे, जहां प्रधान न्यायाधीश ने डॉ. बीआर अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी। सीजेआई गवई ने कहा, सीजेआई बनने के बाद मैं पहली बार चौत्यभूमि आया हूं। मैं यहां डॉ. अंबेडकर का आशीर्वाद लेने आया हूं। मैं प्रोटोकॉल को लेकर ज्यादा परेशान नहीं हूं। मैंने बस इसका जिक्र किया है। जानकारी के लिए बता दें कि देश के मुख्य न्यायाधीश जब किसी राज्य का दौरा कर रहे हों, तब उनकी अगवानी और स्वागत से लेकर ठहरने तक प्रोटोकॉल का पालन करना होता है। इसके लिए राज्य के प्रमुख अधिकारी मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और संबंधित अफसरों को अगवानी के लिए उपस्थित होना चाहिए। राज्य सरकार के वरिष्ठ मंत्री भी स्वागत समारोह में उपस्थित हो सकते हैं। मुख्य न्यायाधीश के लिए एयरपोर्ट से लेकर कार्यक्रम स्थल तक सुरक्षा घेरा सुनिश्चित किया जाता है। राज्य सरकार की ओर से वीआईपी गेस्ट हाउस की व्यवस्था की जाती है। यदि मुख्य न्यायाधीश किसी न्यायिक या विधायी कार्यक्रम में हिस्सा लेते हैं तो राज्य के प्रमुख न्यायिक अधिकारी और प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहते हैं। न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका के बीच संतुलन और आपसी सम्मान बनाए रखने के लिए प्रोटोकॉल का पालन जरूरी माना जाता है।लेकिन जस्टिस गवई के मुंबई दौरे के शुरुआती पलों में यह प्रोटोकॉल नदारद रहा। ऐसा नहीं है कि प्रशासन के इतने वरिष्ठ अधिकारी इस सामान्य जानकारी से अनभिज्ञ होंगे। लेकिन किस वजह से उन्होंने मुख्य न्यायाधीश की अगवानी के लिए उपस्थित होना जरूरी नहीं समझा, यह बड़ा सवाल बना हुआ है। सवाल यह भी है कि क्या महाराष्ट्र सरकार अपने इन अधिकारियों से इस संदर्भ में कोई जवाब–तलब करेगी, या यह बात आई–गई हो जाएगी। क्या जस्टिस गवई की जाति या धर्म का इस प्रकरण से कोई वास्ता है। और सबसे गंभीर सवाल यह कि भाजपा शासित राज्य में ऐसा होने का क्या अर्थ है। क्योंकि इससे पहले भाजपा के ही सांसद निशिकांत दुबे ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना पर गृहयुद्ध करवाने जैसे गंभीर और बेहूदा आरोप लगाए थे। भाजपा ने अपने सांसद की ऐसी धृष्टता पर कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं की। भाजपा के शासन में ही बार–बार कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका के बीच कौन बड़ा है इसकी बहस खड़ी हो रही है। जगदीप धनखड़ उपराष्ट्रपति हैं, फिर भी उन्होंने परमाणु मिसाइल जैसा बयान दिया था। निशिकांत दुबे भी ऐसे सवाल उठा चुके हैं। हालांकि मुंबई में जस्टिस गवई ने एक बार फिर कहा है कि न तो न्यायपालिका, न ही कार्यपालिका और न ही संसद सर्वोच्च है, बल्कि भारत का संविधान सुप्रीम है और तीनों अंगों को संविधान के अनुसार काम करना है। भाजपा के उठाए सवालों का जवाब मुख्य न्यायाधीश के इस बयान में मिल जाता है। अब भाजपा को भी देश की सत्ता पर काबिज होने और सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते इन सवालों का जवाब देना चाहिए कि आखिर क्यों उसके राज्य में मुख्य न्यायाधीश के लिए प्रोटोकॉल निभाने में अनदेखी की गई।

आतंकवाद के खिलाफ एकता और भाजपा का पाखंड

राजेंद्र शर्मा

मैं यह देखकर प्रसन्न हूं कि कई दक्षिणपंथी टिप्पणीकार कर्नल सोफिया कुरैशी की सराहना कर रहे हैं, लेकिन शायद उन्हें उतनी ही शिद्दत से यह मांग भी करनी चाहिए कि भीड़ हिंसा के शिकार, बिना कानूनी प्रक्रिया के मकानों पर बुलडोजर चलवाए जाने और भाजपा की नफरत की राजनीति के शिकार अन्य लोगों को भी, समान रूप से एक भारतीय नागरिक के रूप में न्याय और सुरक्षा दी जाए। दो महिला अफसरों का प्रैस कान्फ्रेंस करना दीखने में एक महत्वपूर्ण दृश्य हो सकता है, लेकिन जब तक यह नजारा जमीनी स्तर पर ठोस बदलाव में तब्दील न हो, तब तक यह केवल एक दृश्य राजनीति (ऑप्टिक्स) ही रहेगाकृ एक छलावा। अशोका विश्वविद्यालय के इतिहास तथा राजनीति विभाग के प्रोफेसर तथा राजनीति विभाग के विभागाध्यक्ष, प्रो. अली खान महमूदाबाद की ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित अपेक्षाकृत लंबी फेसबुक पोस्ट की शायद यही पंक्तियां हैं, जिनके लिए न सिर्फ उनको हड़बड़ी में हरियाणा पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है, उन्हें अन्य अनेक धाराओं के अलावा राजद्रोह के दो–दो आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। हजारों की संख्या में अकादमिकों और सामाजिक–राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने प्रोफेसर अली खान की गिरफ्तारी को सरासर अनुचित तथा मनमानी बताते हुए, इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दमन बताने के साथ ही, जिस तरह कुछ विस्तार से उनकी टिप्पणी में कुछ भी, किसी भी नजर से आपत्तिजनक होने मात्र का खंडन किया है, उससे पूरी तरह से सहमत होने के चलते, हम यहां उसे दोहराना आवश्यक नहीं समझते हैं। हम यहां सिर्फ इतना ध्यान दिलाना चाहेंगे कि प्रो. अली इस टिप्पणी में जिस छलावे या पाखंड से बचे जाने का ताकाजा कर रहे थे, उनकी गिरफ्तारी आतंकवाद के विरुद्घ राष्ट्र्र को एकजुट करने के इस चुनौतीपूर्ण समय में भी सत्ताधारी संघ–भाजपा के उसी पाखंड का सहारा लेने का, एक और सबूत पेश कर रही थी। प्रो. अली की गिरफ्तारी इस पाखंड को इसलिए और किसी उदाहरण से ज्यादा मुखरता से उजागर करती है कि ठीक इसी समय पर, मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री, कुंवर विजय शाह के मामले में, उसी संघ–भाजपा की सरकार, इससे ठीक उल्टा ही आचरण प्रदर्शित कर रही थी। प्रो. अली के विपरीत, भाजपायी मंत्री के खिलाफ, किसी भी नजर से क्यों न देखा जाए, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सचेत रूप से भारतीय कार्रवाई का चेहरा बनायी गयी, कर्नल सोफिया कुरैशी के घनघोर अपमान का मामला बनता है। और शुद्घ सांप्रदायिक आधार पर यानी उनके मुसलमान होने के लिए ही, उनका ऐसा अपमान करने का मामला बनता है। इसके बावजूद, जैसा कि सभी जानते हैं भाजपायी मंत्री के खिलाफ, न तो भाजपा की मध्य प्रदेश सरकार ने कोई कार्रवाई करने की जरूरत समझी और न ही संघ–भाजपा परिवार ने। यहां तक कि इस मामले पर चारों ओर शोर मचने के बाद, मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की जबलपुर बैंच ने स्वतरू संज्ञान लेकर, मंत्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के बहुत ही सख्त आदेश भी जारी कर दिए। इसके बाद मजबूरी में आखिरी घंटे पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज तो की लेकिन, इतनी लचर एफआईआर कि हाई कोर्ट की बैंच को अगले दिन फिर से सरकार को सिर्फ फटकार ही नहीं लगानी पड़ी, यह आदेश भी जारी करना पड़ा कि आगे अदालत इस मामले की निगरानी करेगी। इसके बाद भी, भाजपायी राज्य सरकार ने साफ कर दिया है कि वह दोषी मंत्री की गिरफ्तारी नहीं करने जा रही है। और मध्य प्रदेश सरकार द्वारा विजय शाह की गिरफ्तारी की किसी भी संभावना से इंकार ठीक उस समय किया जा रहा था, जब उसी संघ–भाजपा की हरियाणा सरकार, प्रो. अली खान की दिल्ली से गिरफ्तारी की तैयारी कर रही थी। बेशक, पहलगाम में आतंकवादियों ने धर्म पूछकर हत्याएं की थीं। और जैसा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सरकार की ओर से एक पत्रकार वार्ता में, विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने रेखांकित भी किया था, इसके पीछे आतंकवादियों का मकसद देश में सांप्रदायिक विभाजन पैदा करना था। उनका यह कहना भी बहुत हद तक सही था कि देश ने, आतंकवादियों के इन मंसूबों को विफल कर दिया था। पर बहुत हद तक ही। बेशक, आतंकवादियों की इस दरिंदगी के खिलाफ आम तौर पर पूरा देश एकजुट था। जम्मू–कश्मीर ने और देश के अल्पसंख्यकों ने खासतौर पर, इस दरिंदगी के लिए अपने नाम के इस्तेमाल को बलपूर्वक ठुकराया था। देश व जनता की इस व्यापक एकता की अभिव्यक्ति, सर्वदलीय बैठक के जरिए आतंकवाद और उसके प्रश्रयदाताओं के खिलाफ, पूरी तरह से एकजुट संदेश में भी हुई थी। लेकिन, इसके समानांतर एक क्षीण किंतु सत्तातंत्र का संरक्षण प्राप्त होने से उग्र धारा, विभाजन पैदा करने की भी थी। यह धारा, आतंकवादियों की करतूतों के बहाने से खासतौर पर कश्मीरी मुसलमानों को और आम तौर पर मुस्लिम अल्पसंख्यकों को हमलों का निशाना बनाए जाने की थी। जाहिर है कि भौतिक हमलों से कई गुना बड़ा था, वैचारिक–भावनात्मक हमलों का दायरा, और ये हमले सत्ता परिवार के आईटी सेल द्वारा संचालित ताने–बाने के जरिए किए जा रहे थे। बहरहाल, शासन की ओर से किसी रोक–टोक के अभाव में भौतिक हमलों का सिलसिला भी, आपरेशन सिंदूर के शुरू होने तक जारी ही था। एसोसिएशन ऑफ प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स (एपीसीआर) द्वारा 22 अप्रैल से 8 मई के बीच, देश के 20 राज्यों में 180 से ज्यादा सांप्रदायिक घटनाओं का जो विवरण एकत्रित किया गया है, उसके अनुसार इनमें 106 घटनाएं पहलगाम के आतंकवादी हमले से संबंधित थीं और इनकी चपेट में कम से कम 316 लोग आए थे। इनमें 39 हमले की, 19 तोड़–फोड़ की और 42 मुसलमानों को तंग किए जाने की घटनाएं थीं। यह दिखाता है कि जब देश को एकता की सबसे ज्यादा जरूरत थी, उस घड़ी में भी सत्ताधारी संघ–भाजपा तथा उनके शासन द्वारा संरक्षित हिंदुत्ववादी ताकतें, जनता की एकता की ही जड़ों को खोखला करने में लगी हुई थीं और शासन की एकता की गुहारों को पाखंड में तब्दील करने में लगी हुई थीं। आतंकवाद के विरुद्घ देश और देशवासियों की सहज–स्वाभाविक एकता के लिए, अपने विभाजनकारी व्यवहार से चुनौती खड़ी करने का मोदी सरकार का खेल आपरेशन सिंदूर के नाम से पाकिस्तान के साथ चार दिन की सैन्य मुठभेड़ के बाद भी थमा नहीं है। बेशक, इस पूरे प्रकरण में भारत के विदेश नीति तंत्र का प्रदर्शन सत्यानाशी रहा है। इसका सबसे प्रत्यक्ष सबूत तब मिल गया, जबकि इन झड़पों के बीच, पाकिस्तान के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने, जिसमें अमेरिका के नेतृत्व में पश्चिमी जगत का ही बोलबाला है, एक अरब डालर से ज्यादा के ऋण के लिए मंजूरी दे दी। आईएमएफ के कुल 25 से ज्यादा सदस्यों के बोर्ड में, भारत के सिवा एक भी देश नहीं था, जो इस ऋण की मंजूरी के खिलाफ होता। यहां तक कि अंततरू भारत ने भी इस आधार पर इस फैसले का विरोध करने की जगह, निर्णय से खुद को अलग रखने का ही रास्ता अपनाया, कि उसके मत का जितना वजन था, उसके आधार पर विरोध करने का विकल्प ही नहीं था। यहां भारत ही एक प्रकार से पूरी तरह से अलग–थलग नजर आया। यह इसके ऊपर से था कि सैन्य टकराव के दौरान भी भारत, इसी तरह अलग–थलग नजर आया था। यह मोदी राज की ग्यारह साल की विदेश नीति का ही कुल हासिल है कि भारत ने चुनौती के इस समय में, खुद को दुनिया में अलग–थलग पाया है। यह विदेश नीति, स्वतंत्रता के बाद से भारत को जिन–जिन चीजों के लिए जाना गया था, उसकी कमजोर की पक्षधरता से लेकर जनतांत्रिकता, धर्मनिरपेक्षता तक की पहचान के पलटे जाने की ही विदेश नीति रही है, बहरहाल उस पर फिर कभी। विदेशी मोर्चे की इन सच्चाइयों के सामने, सर्वदलीय बैठकों में प्रधानमंत्री की वाचाल अनुपस्थिति के बाद भी और संसद का विशेष सत्र बुलाने से भी इंकार कर के, मोदी सरकार के देश में राजनीतिक राय की एकता को यथासंभव मुश्किल बनाने के बाद भी, सरकार ने जब आतंकवाद के मुद्दे पर भारत का पक्ष रखने के लिए और इस मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए, करीब तीन दर्जन राजधानियों में, सात बहुपक्षीय राजनीतिक–कूटनीतिक मिशन भेजने का फैसला लिया, विपक्ष ने बिना किसी खास अगर–मगर के इसका समर्थन किया।

मोदी सरकार प्रेस को दबाकर पाकिस्तान की चुनौती का सामना नहीं कर सकती

सुशील कुट्टी

अगर आप उन्हें चुप नहीं करा सकते, तो उनको चुप करा दें! मोदी के भारत में यही कहावत है। उनको चुप करा देंश का मतलब है, बोली और लिखी गयी आवाज को दबा दें। उन्हें चुप करा दें का मतलब है, उनको सलाखों के पीछे बंद कर दें, जो परेशान कर रहे हैं, और नियंत्रण में नहीं हैं । इसके क्यों के जवाब के लिए कोई रॉकेट साइंस की जरूरत नहीं है! इतना ही काफी है कि वह व्यक्ति सत्ता के लिए एक स्पष्ट और मौजूदा खतरा है। इस समय, खबरों में दो शाह हैं। मध्य प्रदेश के शाह और गुजरात समाचार के शाह। मध्य प्रदेश के शाह ने सेना के एक श्हीरोश के खिलाफ उपहास और दुर्भावना से भरे शब्द कहे और गुजरात समाचार के शाह ने कथित तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। मध्य प्रदेश के शाह एक आजाद पक्षी हैं। ७३ वर्षीय गुजरात के शाह प्रवर्तन निदेशालय की सबसे बड़ी दुर्भावना के निशाने पर हैं! अलग–अलग शाहों के लिए अलग–अलग चालें! एक मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं, जिन्हें गिरफ्तारी और कारावास से छूट है। दूसरे हर मायने में बाहुबली हैं, जिनकी कलम तलवार से ज्यादा शक्तिशाली है और इसलिए उन्हें सत्तारूढ़ पार्टी के विचार में चुप करा दिया जाना चाहिए। बाहुबली शाह और मध्य प्रदेश के शाह के साथ किये गये व्यवहार की तुलना करें तो भेदभाव विशाल पेड़ की तरह खड़ा है। उच्च न्यायालय ने मध्य प्रदेश के शाह के खिलाफ स्वतरू संज्ञान लिया और प्राथमिकी दर्ज की गयी। मामला सर्वोच्च न्यायालय तक भी पहुंचा। मध्य प्रदेश के शाह खुलेआम घूम रहे मानो बेदाग हों। लेकिन १५ मई की देर रात प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुजरात के श्गुजरात समाचारश के मालिक बाहुबली शाह को वित्तीय धोखाधड़ी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। प्रेस की स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में विश्वास रखने वाले लोग, जिनसे मोदी सरकार सहमत नहीं है, बाहुबली शाह के साथ एकजुटता में सामने आये हैं। ऐसे समय में हुई है जब देश में युद्ध चल रहा है। स्वतंत्र मीडिया बाहुबली शाह की ईडी द्वारा की गयी गिरफ्तारी को श्अपराधश कहता है। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, इंडियन विमेंस प्रेस कोर, प्रेस एसोसिएशन, दिल्ली यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स और केरल यूनियन ऑफ वकिर्ंग जर्नलिस्ट्स, सभी ने बाहुबली शाह की ईडी द्वारा की गयी गिरफ्तारी की निंदा की है। बाहुबली शांतिलाल शाह लोक प्रकाशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक हैं, जो श्गुजरात समाचारश प्रकाशित करता है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के गृह राज्य गुजरात से प्रकाशित होने वाला एक व्यापक रूप से प्रसारित दैनिक है। गुजरात की एक अदालत ने १६ मई को बाहुबली शाह को अंतरिम जमानत दे दी। ईडी २०१६ से बाहुबली शाह का पीछा कर रहा है। २०२३ में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कथित तौर पर धन के दुरुपयोग के लिए जांच शुरू की थी। इस बार भी ईडी ने लोक प्रकाशन के कई ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया। आयकर (आई–टी) विभाग ने भी मुंबई, वडोदरा और अहमदाबाद में एक साथ छापेमारी की। शाह के समर्थकों ने धोखाधड़ी का आरोप लगाया। इस महीने की शुरुआत में, गुजरात समाचार के आधिकारिक एक्स अकाउंट को बिना किसी कारण बताये बंद कर दिया गया था। धोखाधड़ी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। तथाकथित मोदी विरोधी मीडिया मोदी सरकार के प्रतिशोध से बच नहीं पाया है। नवीनतम पीड़ितों में द वायर भी शामिल है, जिसे ब्लॉक कर दिया गया था। यह तो पता नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गुजरात समाचार ने कब और कैसे निशाना बनाया या बदनाम किया, लेकिन विपक्षी दल इंडिया गठबंधन को यकीन है कि गुजरात समाचार को सत्ता के सामने सच बोलने के लिए निशाना बनाया जा रहा है। कांग्रेस का कहना है कि डराने की राजनीति अब मोदी सरकार की पहचान बन गयी है। मोदी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा था कि आलोचना लोकतंत्र की आत्मा है। गुजरात समाचार ६३ साल पुराना संगठन है। मोदी ने साबित कर दिया है कि आलोचकों को गिरफ्तार करना डरे हुए तानाशाह की पहली निशानी है! जो कोई भी इस सरकार के खिलाफ आवाज उठायेगा या भाजपा के साथ समझौता नहीं करेगा, उसे जेल जाना पड़ेगा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सरकार पर आरोप लगाया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि यह गुजरात समाचार को खामोश करने और न केवल एक अखबार, बल्कि पूरे लोकतंत्र की आवाज को दबाने की कोशिश है। बाहुबली शाह को खराब स्वास्थ्य के आधार पर अंतरिम जमानत दी गयी। प्रदेश कांग्रेस का कहना है कि गुजरात समाचार हमेशा सत्य के साथ खड़ा रहा है और भारत–पाकिस्तान युद्ध से निपटने के मामले में सरकार के तौर–तरीकों सहित भाजपा सरकार और पीएम मोदी को आईना दिखाता रहा है। बाहुबली शाह के एक रिश्तेदार ने कहा, हमें नहीं पता कि वे हमारे साथ अंडरवर्ल्ड के लोगों जैसा व्यवहार क्यों कर रहे हैं... इतने सालों के बाद अचानक क्या हो गया? गुजरात समाचार ६७ साल पुराना है और इसे गुजरात और महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में पढ़ा जाता है। गुजरात समाचार वेबसाइट की औसत दैनिक पाठक संख्या ४६ लाख है, लेकिन जब ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया, तो गुजरात समाचार के एक्स हैंडल को निलंबित कर दिया गया! ईडी का कहना है कि शाह से हिरासत में पूछताछ जरूरी है और बाहुबली शाह के रिश्तेदार कांग्रेस के शब्दों को दोहराते हैं। आलोचकों को गिरफ्तार करना एक डरे हुए तानाशाह का पहला संकेत है। फिलहाल, बाहुबली शांतिलाल शाह को अंतरिम जमानत मिल गयी है और अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाकई एक डरे हुए तानाशाह हैं, तो उनकी मुश्किलें अभी शुरू ही हुई हैं। बहुत से लोगों का मानना है कि जो भी मोदी सरकार के खिलाफ आवाज उठायेगा और बीजेपी से समझौता नहीं करेगा, उसे जेल जाना पड़ेगा। बाहुबली शाह को इस नियति से बचने के लिए नियमित जमानत लेनी होगी। वह मध्य प्रदेश के शाह नहीं, बल्कि गुजरात समाचार शाह हैं!

अनुभव सिन्हा ने रईस एक्टर को बताया मिडिल क्लास, बोले-उनके पास सारी दुनिया का पैसा, लेकिन

> अनुभव सिन्हा ने शाहरुख खान के साथ रा.वन में काम किया था। ऐसे में उन्होंने किंग खान बारे में बात करते हुए उन्हें जमीन से जुड़ा शख्स बताया और उनकी तारीफ भी की। डायरेक्टर ने कहा कि शाहरुख खान के साथ काम करते हुए उन्हें ऐसा लगा जैसे वह किसी ऐसे बच्चे के साथ काम कर रहे हैं जो किसी कैंडी स्टोर में खो गया है।

सुपरस्टार शाहरुख खान फिल्म इंडस्ट्री के दमदार हीरोज में से एक हैं। उनका नाम दुनिया के सबसे अमीर एक्टर्स की लिस्ट में शामिल है। हालांकि, हाल ही में डायरेक्टर अनुभव सिन्हा ने शाहरुख मिडिल क्लास बताया है। इसके साथ ही उन्होंने इसके पीछे की वजह बताते हुए एक किस्सा भी शेयर किया है। अनुभव सिन्हा ने शाहरुख खान के साथ रा.वन में काम किया था। ऐसे में उन्होंने किंग खान बारे में बात करते हुए उन्हें जमीन से जुड़ा शख्स बताया और उनकी तारीफ भी की। डायरेक्टर ने कहा कि शाहरुख खान के साथ काम करते हुए उन्हें ऐसा लगा जैसे वह किसी ऐसे बच्चे के साथ काम कर रहे हैं जो किसी कैंडी स्टोर में खो गया है। अनुभव सिन्हा ने बताया कि कैसे शाहरुख हर काम के आगे अपने परिवार को महत्व देते हैं और उनके लिए किसी भी चीज से पहले उनका परिवार आता है। अनुभव सिन्हा ने शाहरुख खान के साथ काम करने के अपने एक्सपीरियंस के बारे में बात करते हुए कहा–यह बहुत ही अजीब है, वह अब भी दिल से एक मिडिल क्लास लड़के हैं। वह सच में मिडिल क्लास हैं और यह मजाक नहीं है। देखिए, मिडिल क्लास का मतलब सिर्फ पैसे से मिडिल क्लास होना नहीं होता। पिछली बार जब मैं उनसे मिला तो मैंने कहा आप काफी मिडिल क्लास हैं। तो वह हंसते हुए मेरी बात मान गए। उनके पास दुनिया का सारा पैसा है, लेकिन आपको क्या खुशी देता है? उनके पास दुनिया भर की दौलत है, लेकिन उन्हें आज भी उनकी बहन की खुशी, खुश करती है। क्या गूची आपको खुश करता है, नहीं ये फैक्ट कि आपकी बहन खुश है। अनुभव सिन्हा ने कहा कि वह ये चीज देखकर आज भी हैरान रह जाते हैं कि शाहरुख अपनी बहन शहनाज और अपने बच्चों, आर्यन, सुहाना और अबराम की कितनी फिक्र करते हैं। वह कहते हैं–ये एक अचीवमेंट है। ऐसा व्यक्ति होना मुश्किल है जो यूनिवर्सली लोकप्रिय हो। ये पैसे की बात नहीं है, ये अपनी जड़ों से जुड़े होने की बात है। वह एक असाधारण व्यक्ति हैं। मैं उन्हें आज भी ये कहता हूं कि ये फिल्म (रा.वन) बनाने से ज्यादा मेरे लिए ये खुशी की बात थी कि मुझे उन्हें जानने का मौका मिला। फिल्म रा.वन की असफलता के बारे में बात करते हुए अनुभव ने स्वीकार किया कि फिल्म का प्रदर्शन वैसा नहीं रहा, जैसा उन्होंने और शाहरुख ने सोचा था। उन्होंने बताया कि कैसे रा.वन की असफलता उनके साथ सालों रही। इस फिल्म की असफलता से मिले झटके के चलते उन्होंने लगभग निर्देशन छोड़ने का मन बना लिया था।

'गिन्नी वेड्स सनी 2' की टीम ने ऋषिकेश में की गंगा आरती, स्वामी चिदानंद सरस्वती से लिया आशीर्वाद

बॉलीवुड फिल्म 'गिन्नी वेड्स सनी 2' की टीम इन दिनों उत्तराखंड की खूबसूरत वादियों में शूटिंग कर रही है। इसी बीच फिल्म के लीड स्टार्स अविनाश तिवारी और मेधा शंकर ने एक आध्यात्मिक विराम लेते हुए परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश में गंगा आरती में भाग लिया और पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती से आशीर्वाद प्राप्त किया। फिल्म के निर्माता विनोद बच्चन, निर्देशक प्रशांत झा, और प्रोडक्शन टीम के साथ लीड जोड़ी ने इस मौके पर गंगा के तट पर आरती में भाग लिया। इस पावन अनुभव को उन्होंने इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए लिखा यहां आकर, परम आनंद में, धन्य हो गया। गिन्नी वेड्स सनी 2' इस बार नए लीड जोड़ी अविनाश तिवारी और मेधा शंकर के साथ लौट रही है। फिल्म का पहला शेड्यूल उत्तराखंड में शुरू हो चुका है और इसके जरिए गिन्नी वेड्स सनी यूनिवर्स की एक नई कहानी की शुरुआत हो रही है। बॉलीवुड में इन दिनों उत्तराखंड एक लोकप्रिय शूटिंग डेस्टिनेशन बनता जा रहा है। यहां की प्राकृतिक सुंदरता और आध्यात्मिक वातावरण कलाकारों और निर्माताओं को बार–बार खींच लाता है। गंगा आरती जैसे पवित्र क्षणों को फिल्मी सितारों द्वारा अनुभव करना इस बात का प्रमाण है कि उत्तराखंड अब सिर्फ पर्यटन ही नहीं, बल्कि सिनेमा की आत्मा का हिस्सा भी बन चुका है।

वॉर 2 टीजरः रितिक रोशन और एनटीआर की ब्लॉकबस्टर भिड़ंत की पहली झलक

जैसा कि रितिक रोशन ने कुछ दिन पहले वादा किया था कि एनटीआर का जन्मदिन इस बार धमाकेदार होगा। और उन्होंने वादा निभाया! वाईआरएफ के स्पाय यूनिवर्स की बहुप्रतीक्षित फिल्म वॉर 2 का टीजर आज रिलीज कर दिया गया।अयान मुखर्जी द्वारा निर्देशित इस एक्शन थ्रिलर में रितिक रोशन, एनटीआर जूनियर और कियारा आडवाणी लीड रोल में नजर आएंगे।

फिल्म 14 अगस्त 2025 को हिंदी, तमिल और तेलुगु में वर्ल्डवाइड रिलीज होगी। वॉर 2 वाईआरएफ स्पाय यूनिवर्स की छठी फिल्म है, जिसकी पिछली सभी किश्तें जैसे एक था टाइगर, टाइगर जिंदा है, वॉर, पठान, और टाइगर 3 सुपरहिट रही हैं। टीजर में जबरदस्त एक्शन, हाई–ऑक्टेन स्टंट और रितिक–एनटीआर की टक्कर ने फैंस को रोमांचित कर दिया है। फिल्म इंडस्ट्री में इस साल 2025 की सबसे बड़ी रिलीज माना जा रहा है।

किरण राव शंघाई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के निर्णायक मंडल में शामिल

फिल्म निर्माता किरण राव 27वें शंघाई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एसआईएफएफ) के अंतरराष्ट्रीय निर्णायक मंडल (ज्यूरी) का हिस्सा होंगी। राव इतालवी निर्देशक और पटकथा लेखक ग्यूसेप टॉर्नेटोर के नेतृत्व वाले निर्णायक मंडल में

शामिल होंगी। ग्यूसेप को ऑस्कर विजेता 'सिनेमा पैराडाइसो' के लिए जाना जाता है। किरण की फिल्म 'लापता लेडीज' 96वें अकादमी पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ अंतरराष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी के लिए भारत की आधिकारिक प्रविष्टि थी। निर्णायक मंडल में अर्जेंटीना के फिल्म निर्माता इवान फंड, चीनी अभिनेता और निर्देशक हुआंग बो, चीनी निर्देशक और वृत्तचित्र फिल्म निर्माता यांग लीना और प्रशंसित चीनी अभिनेत्री योंग मेई सहित कई अन्य लोग शामिल हैं।

8-9 घंटे की नींद कैसी होती..दो सालों से ठीक से सो नहीं पाई दिशा परमार, पोस्ट शेयर कर बताई वजह

टीवी एक्ट्रेस दिशा परमार मां बनने के बाद अपनी लाडो संग मदरहुड को एंजॉय कर रही हैं और अपनी बेटी की परवरिश पर पूरा ध्यान दे रही हैं। हालांकि, उनके लिए इस सफर को आसान बनाना इतना आसान नहीं है। इस रास्ते उनके लिए कई चुनौतियां हैं, जिस पर हाल ही में एक्ट्रेस ने खुलकर बात की। दिशा परमार ने बताया कि वह पिछले दो सालों से ठीक से सो नहीं पाई हैं। दिशा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, "मुझे ठीक से सोए हुए दो साल से ज्यादा हो गए हैं! वो बिना रुकावट 8द्द9 घंटे की नींद कैसी होती है, अब याद भी नहीं है। सुबह बिना बच्चे के रोने की आवाज के उठना भी भूल गई हूं। उफ्फ! अब तो बस इंतजार है कि वो दिन फिर कब आएगा उम्मीद है जल्दी आए! इसके अलावा, दिशा ने एक प्यारी सी तस्वीर भी शेयर की, जिसमें वह अपनी बेटी को गोद में उठाए हुए नजर आ रही हैं। उस फोटो के साथ कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा–अभी की जिंदगी ऐसी चल रही है।'बता दें कि दिशा परमार ने 16 जुलाई, 2021 को राहुल वैद्य के साथ शादी रचाई थी और सितंबर 2023 में प्यारी सी बेटी का स्वागत किया था। इस खुशखबरी को कपल ने मिलकर फैंस के साथ शेयर किया था। वर्कफ्रंट पर, दिशा परमार कई टीवी सीरियल्स में नजर आ चुकी हैं, लेकिन उन्हें असली पहचान टीवी शो 'प्यार का दर्द है मीठा–मीठा प्यारा–प्यारा' से मिली, जिसमें उन्होंने नकुल मेहता के साथ मुख्य भूमिका निभाई थी। इस शो में उनकी एक्टिंग को खूब सराहा गया था। इसके बाद वह 'वो अपना सा' और 'बड़े अच्छे लगते हैं सीजन 2' में नजर आईं।

ये है सितारे जमीन पर के सितारे आशीष पेंढसे उर्फ सुनील गुप्ता का किशोर कुमार से कनेक्शन

जब से सितारे जमीन पर का मजेदार और दिलचस्प ट्रेलर रिलीज हुआ है, तब से दर्शकों में फिल्म को लेकर जबरदस्त एक्साइटमेंट है। लोग हंसी–मजाक और प्यार से भरी इस कहानी के ट्रेलर को देखने के बाद उसे बड़े पर्दे पर देखने का इंतजार कर रहे हैं। तारे जमीन पर के इस स्पिरिचुअल सीक्वल को लेकर मेकर्स भी लगातार नए–नए किस्से सामने ला रहे हैं, जिससे फिल्म की हाइप और बढ़ गई है। अब फिल्म से एक और सितारा इंट्रोड्यूस हुआ है–आशीष पेंढसे उर्फ सुनील गुप्ता, जो इस कहानी में अपनी अलग चमक बिखेरने वाले हैं। आशीष पेंढसे, जो मध्य प्रदेश के खंडवा शहर से हैं, जहां से महान गायक किशोर कुमार भी हैं, वह अपनी बॉलीवुड डेब्यू के लिए तैयार हैं। आशीष अपनी पहली फिल्म सितारे जमीन पर में आमिर खान के साथ नजर आएंगे। वह एक खुशमिजाज और बेहद आत्मविश्वासी लड़के हैं, जो जीवन की चुनौतियों को खुशी से स्वीकार करता है। आशीष और उनके साथ नौ अन्य युवा कलाकार इस फिल्म में अपनी परफॉर्मेंस का जलवा दिखाएंगे।

फिल्म में आशीष सुनील गुप्ता नाम के सिक्योरिटी गार्ड का किरदार निभा रहे हैं। सितारे जमीन पर के डायरेक्टर हैं आर.एस. प्रसन्ना और प्रोड्यूसर आमिर खान हैं। यह फिल्म आमिर खान की 2007 में आई तारे जमीन पर की स्पिरिचुअल सीक्वल है। आमिर खान प्रोडक्शंस गर्व के साथ पेश करता है 10 राइजिंग सितारे अरूष दत्ता, गोपी कृष्ण वर्मा, सम्वित देसाई, वेदांत शर्मा, आयुष भंसाली, आशीष पेंडसे, ऋषि शाहानी, ऋषभ जैन, नमन मिश्रा और सिमरन मंगेशकर। आर. एस. प्रसन्ना द्वारा निर्देशित, जिन्होंने पहले बैरियर तोड़ने वाली ब्लॉकबस्टर शुभ मंगल सावधान बनाई थी, अब आमिर खान प्रोडक्शंस के साथ सितारे जमीन पर में सबसे बड़े कोलैबरेशन के साथ वापसी कर रहे हैं। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी सितारे जमीन पर में आमिर खान और जेनेलिया देशमुख लीड रोल में नजर आएंगे।

फिल्म के गाने अमिताभ भट्टाचार्य ने लिखे हैं और म्यूजिक शंकर–एहसान–लॉय ने दिया है। इसका स्क्रीनप्ले दिव्य निधि शर्मा ने लिखा है। इस फिल्म को आमिर खान और अपर्णा पुरोहित ने रवि भागचंदका के साथ प्रोड्यूस किया है। आर. एस. प्रसन्ना के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म 20 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

गर्मी से बचने के लिए बच्चे को एसी या कूलर में सुलाने के दौरान इन बातों का रखें ध्यान, बार-बार नहीं होंगे बीमार

मार्च–अप्रैल का महीना बीतते की गर्मी अपना कहर बरपाने लगी है। गर्मी से हर कोई हाल–बेहाल है। तो वहीं गर्मी और उमस से छुटकारा पाने के लिए लोग कूलर या एसी का सहारा ले रहे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कूलर व एसी की हवा आपके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती है। साथ ही यह नवजात व छोटे बच्चों के लिए भी सुरक्षित नहीं मानी जाती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि क्या आप अपने बच्चे को एसी या कूलर की हवा में सुला सकते हैं या नहीं। साथ ही इस दौरान किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

बच्चे को एसी या कूलर में सुलाने के दौरान ध्यान रखें कि बच्चे पर सीधी हवा न पड़े। इससे बच्चे की इम्यूनिटी कमजोर हो सकती है। साथ ही जरा सी ठंड में बच्चे को सर्दी–जुकाम की समस्या हो सकती है। इस दौरान समय–समय पर बच्चे के शरीर को छूते रहना चाहिए कि कहीं बच्चे को फीवर तो नहीं है।

बच्चे को एसी से हटाकर फौरन दूसरे कमरे में शिफ्ट करने की गलती न करें। पहले एसी बंद कर रूम के टेंपरेचर को सामान्य होने दें। इसके बाद ही उसे बाहर या दूसरे कमरे में लेकर जाएं।

बच्चे के कमरे के तापमान को अधिक देर तक ठंडा नहीं रखना चाहिए। क्योंकि इससे शरीर के टेंपरेचर के लो होने का खतरा बना रहता है। अगर आप एसी वाले कमरे में बच्चे को सुला रहे हैं, तो एसी का टेंपरेचर 23–26 के बीच रखें। इससे कम टेंपरेचर में बच्चा बीमार पड़ जाएगा।

एसी या कूलर में बच्चे को सुलाने के दौरान उनको अच्छे से कवर करदें। साथ–साथ ही बच्चे को बीच–बीच में चेक करती रहें कि कहीं उन्हें ज्यादा ठंड तो नहीं लग रही।

एसी में बच्चे को सुलाने के कारण बेबी की स्किन का रूखापन बढ़ सकता है और उसे त्वचा रोग हो सकता है। इसलिए बच्चे को समय–समय पर डॉक्टर द्वारा बताया गया मॉइश्चराइजर जरूर लगाएं।

अगर आप बच्चा अक्सर बीमार रहता है या वह अभी प्री–मैच्योर है, तो उसको कूलर या एसी की हवा में सुलाने से पहले हेल्थ एक्सपर्ट की सलाह जरूर लेनी चाहिए।

घर पर बनाएं रेस्तरां जैसा हरा भरा कबाब, बेहद आसान है इसकी रेसिपी

कबाब का नाम सुनते ही हर किसी के मुंह में पानी आ जाता है। हालांकि बहुत सारे लोगों को लगता है कि कबाब सिर्फ नॉनवेज से बनाया जा सकता है। लेकिन ऐसा नहीं है। वेजिटेबल कबाब भी खाने में बहुत स्वादिष्ट होता है और इसको बनाना भी बहुत आसान होता है। यह कबाब वेजिटेबल कटलेट की तरह होता है, जिसको कबाब का शेप देकर बनाया जाता है। ऐसे में शाम को नाश्ते या या फिर चाय के साथ कबाब एक परफेक्ट स्नैक हो सकता है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस बेहतरीन डिश की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं।

मुख्य सामग्री

पालक – 2 कप

आलू उबले दृ 2–3

हल्दी – 1/4 टी स्पून

मटर – 3/4 कप

हरी मिर्च – 1–2

गरम मसाला – 1/4 टी स्पून

इलायची पाउडर – 1 चुटकी

अदरक कद्दूकस – 1/2 टी स्पून

अमचूर – 3/4 टी स्पून

चने की दाल– पिसी हुई

हरा धनिया – 3 टेबलस्पून

भुना बेसन – 3 टेबलस्पून

तेल – 3 टेबलस्पून

नमक – स्वादानुसार

ऐसे बनाएं हरा भरा कबाब

इसे बनाने के लिए सबसे पहले भीगी हुई चने की दाल को मिक्सी में डालकर महीन पीस लें। फिर पेस्ट बनाने के दौरान इसमें पानी न डालें, वरना यह पतला हो जाएगा और कबाब सही नहीं बनेंगे। वहीं चना दान को पीसकर एक बाउल में निकाल लें और फिर मिक्सर में बींस और गाजर को दरदरा पीस लें। अब तैयार किए गए सब्जी के पेस्ट को एक पैन में डालकर चलाते हुए भूनें। फिर पैन में पालक डालकर उसे भी अच्छे से भूनें। इसके बाद सब्जी के मिश्रण को चना दाल के पेस्ट में मिक्स कर लें। इसको अच्छे से मिक्स करने के बाद उसमें हरी मिर्च, जीरा, नमक और गरम मसाला आदि डालकर अच्छे से मिलाएं। अब तैयार मिश्रण से कबाब का शेप देते हुए एक प्लेट में रख दें। इसके बाद एक पैन में तेल गर्म कर कबाब को मीडियम आंच पर पकने दें। जब यह एक तरफ ब्राउन हो जाए, तो इसको दूसरी तरफ भी सेंक लें। कबाब को पलटने के लिए हाथों का इस्तेमाल करना चाहिए। वरना कबाब टूट सकते हैं। इस तरह से गरमागरम कबाब बनकर तैयार हो गए। आप प्याज के छल्ले से गार्निश करके हरी चटनी के साथ सर्व करें।

कंप्यूटर पर देर तक करते हैं काम तो इस तरह रखें अपनी आंखों का ध्यान

आंखें के बिना ये खूबसूरत दुनिया भी बेकार है। आंखें हमारे शरीर का एक ऐसा नाजुक हिस्सा हैं जिनमें हल्का सा कुछ चले जाने पर भी बहुत परेशानी का सामना करना पड़ता है। लेकिन आज कल तो लोगों का स्क्रीनिंग टाइम काफी बढ़ गया है जिसमें वह देर तक कंप्यूटर या लेपटॉप पर काम करते रहते हैं। इस में ये हमारी आंखों पर काफी बुरा असर डालता है। ऐसा इसलिए क्योंकि देर तक एक ही जगह पर देखने से आँखों को आराम नहीं मिल पाता है। जिसकी वजह से आँखों में जलन होने लग जाती है। अगर आप भी देर तक काम करते हैं तो आपको अपनी आँखों का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। ऐसे में हम आज आपको कुछ खास टिप्स देने जा रहे हैं जिससे आप अपनी आंखों का अचे से ध्यान रख पाएंगे।

आँखों में जलन

आँखों में जलन की समस्या में गाय के दूध का मक्खन बहुत ही फायदेमंद होता है। इसे आँखों पर लगाने से आँखों की जलन की समस्या कम होती है।

दही की मलाई का लेप

दही की मलाई पलको पर लगाने से या उसका लेप लगाने करने से गर्मी और जलन निकल जाती है। पलको पर ठंडी मलाई का लेप करे। इससे जलन की समस्या दूर होती है।

द्राक्ष में शक्कर मिला कर

10 ग्राम द्राक्ष को रात में पानी में भिगोकर रख दे। सुबह उसे हाथ से मसल ले, फिर इसमें थोड़ी शक्कर मिलाकर पीने से आँखों की जलन से राहत मिलती है।

बबूल के पत्ते

बबूल के पत्तो को पीसकर टिकिया बना ले। फिर इसे घी में भून ले, अब इसे आँखों पर रखे और कुछ देर के लिए आँखे बंद कर ले इससे आँखों की जलन की समस्या दूर होगी।

खीरे का इस्तेमाल

आँखों में जलन की समस्या के लिए खीरे को काटकर उसे आँखों पर रखे और थोड़ी देर बाद आँखों में गुलाबजल को डाल दे यह आँखों के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। इससे कुछ ही देर में जलन में राहत मिलती है।

बॉडी में दिखने लगे ये बदलाव तो समझ जाएं शुरू हो गई है फैटी लिवर की समस्या!

लिवर हमारे शरीर का वो अंग है जिसके बिना हम हेल्दी नहीं रह सकते। लिवर खराब हो जाए तो शरीर का सारा फंक्शन गड़बड़ा जाता है। वैसे तो लोगों को ये पता है की ये हमारी अच्छी सेहत के लिए कितना जरूरी है बावजूद इसके लोग लिवर हैल्थ का ध्यान नहीं देते। आज कल लोगों का बाहर का खाना, खराब लाइफस्टाइल और प्रदूषण ये सब लिवर को बीमार करने का काम कर रहे हैं। इसलिए ही लिवर इंफेक्शन, फैटी लिवर जैसी दिक्कतें शुरू होती हैं। अगर आपका लिवर फैटी है या खराब हो रहा है तो बॉडी कई तरह के संकेत देने शुरू कर देती है, जैसे की पैरों में सूजन,थकान और कमजोरी महसूस होना, भूख कम लगना, पेट में दर्द रहना, आंखों और स्किन में पीलापन, वजन घटना, स्किन पर एलर्जी और खुजली होना आदि शामिल हैं। आपको बता दें ये तब होता है जब लीवर में बहुत अधिक वसा बनने लगती है। लिवर में फैट की मात्रा बिल्कुल न के बराबर होती है लेकिन जब लिवर की कोशिकाओं में फैट जमने लगता है, तो धीरे–धीरे इससे लिवर में सूजन आ जाती है। शरीर में कैलोरी की मात्रा फैट में तब्दील होने लगती है। ऐसे में समय रहते ही इसका इलाज बेहद जरुरी होता है क्योंकि इससे लिवर डैमेज होने का खतरा बना रहता है। इसलिए जरुरी है की अगर आपको बॉडी में ऐसे कुछ संकेत दिखें तो आपको तुरंत डॉक्टर को चेक करवाना चाहिए। इसी के साथ चलिए अब हम इसके बारे में और विस्तार से जानते हैं।

लिवर फैटी होने के कारण

–इसका सबसे आम कारण है शराब का ज्यादा सेवन करना।

–ज्यादा मिर्च मसाले वाला खाना खाने से

–टाइप–2 डायबिटीज होना

–ज्यादा मोटापा होना

–खून में फैट बढ़ने

–कोलेस्ट्रॉल हाई होने

–मेटाबॉलिज्म कम होने

–कुछ दवाइयों के साइड इफेक्ट्स

–अंडरएक्टिव थायरॉयड और परिवार में किसी को लिवर से जुड़ी पारिवारिक समस्या होने से भी लिवर फैटी हो सकता है।

लिवर को स्वस्थ रखने के लिए क्या करें?

कॉलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करना है जरुरी

लिवर और कॉलेस्ट्रॉल के बीच में गहरा कनैक्शन है। कॉलेस्ट्रोल बढ़ेगा तो लिवर की प्रॉब्लम शुरू होगी। लिवर के लिए ज्यादा ऑयल, तला हुआ भोजन, पैक्ड फूड, जंक फूड, शराब या ज्यादा पेनकिलर का सेवन करना खरतनाक है। इनसे दूरी बना लें।

ज्यादा चीनी या नमक है जहर

ज्यादा चीनी या नमक, चिकनी चीजें जैसे बटर, रिफाइंड अनाज, और मैदा खाने से बचें।

रेड मीट खाने से बचें

बीफ और पोर्क जैसे रेड मीट खाने से बचें। राजमा, चना, काली दाल का सेवन कम करें। डाइट में चिकन और अंडे लें। यह आपको प्रोटीन देंगे।

रोजाना पीएं वेजिटेबल जूस

लिवर को हैल्दी रखना चाहते हैं तो एलोवेरा, आंवला और वेजिटेबल जूस जरूर पीएं। बैलेंस्ड डाइट लें जिसमें भरपूर फाइबर वाली चीजें जैसे गेहूं, ज्वार, बाजरा, जई, दलिया, स्प्राउट्स, ओट्स और दालें, हरी सब्जियां, साग, शलजम, बीन्स, मटर और दूसरी सब्जियां जरूर खाएं।

खाद्य पदार्थ को डाइट में करें शामिल

डाइट में ओमेगा–3 से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे सनफ्लावर सीड्स, अलसी सीड्स को डाइट में शामिल करें।

अखरोट और बादाम खाएं

अखरोट और बादाम जरूर खाएं। दिन में 5 से 7 बादाम खाएं। तासीर गर्म होती हैं इसलिए इन्हें पानी में भिगोकर खाएं।

फिजिकल एक्टिविटी या योगासन

अगर वजन ज्यादा हो, तो फिजिकल एक्टिविटी या योगासन करें।

पार्टनर के साथ बिताना चाहते हैं सुकून के कुछ पल, तो देहरादून की इन जगहों को करें एक्सप्लोर

गर्मियों की छुट्टियां शुरू होने वाली हैं। छुट्टियों में अक्सर लोग घूमने का प्लान बनाते हैं। लेकिन कई बार कहां घूमने जाएं के सवाल को लेकर लोग असमंजस में फंस जाते हैं। ऐसे में अगर आपके मन में भी यही सवाल है, तो हम आपकी इस दुविधा को दूर करने वाले हैं। अगर आप देहरादून और मसूरी घूम चुके हैं, तो आप देहरादून में स्थित इन तीन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। बता दें कि यह जगहें देहरादून की सबसे अच्छी जगहों में शामिल हैं। आप सिर्फ तीन दिन में इन जगहों को एक्सप्लोर कर अपने मूड को फ्रेश कर सकते हैं। आप इन जगहों पर अपने पार्टनर, परिवार या दोस्तों के साथ जा सकते हैं।

चकराता

चकराता देहरादून की बेहद सुंदर और छोटी जगह है। लेकिन यहां पर आप ट्रैकिंग, मेडिटेशन और कैंपिंग आदि में हिस्सा ले सकते हैं। बता दें कि यह देहरादून के पास घूमने के लिए सबसे अच्छी जगहों में से एक है। आप यहां पर शहर की भीड़भाड़ से दूर सुकून के कुछ पल बिता सकते हैं।

धनौल्टी

देहरादून के पास धनौल्टी एक छोटी और बेहद खूबसूरत जगह है। धनौल्टी घूमने के दौरान देवगढ़ फोर्ट, इको पार्क, बरेहीपानी, सुरकंडा देवी, दशावतार मंदिर, जोरांडा फॉल्स और पोटैटो फार्म को जरूर एक्सप्लोर करें। इसके अलावा आप यहां पर जिप लाइनिंग, रॉक क्लाम्बिंग और स्काईवॉक का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

कलसी गांव

बता दें कि चकराता और देहरादून के बीच में कलसी नामक गांव है। इस स्थान पर यमुना और टोंस नदी का संगम होता है। कलसी गांव अपनी प्राचीन विरासत के लिए जाना जाता है। ऐसे में अगर आप भी अलग–अलग संस्कृति के बारे में जानकारी रखने में दिलचस्पी लेते हैं, तो आपको कलसी गांव जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। इस गांव में हरे–भरे पेड़, पहाड़ और यमुना नदी का तट आपके सफर की सारी थकान को मिटा देगा।

संक्षिप्त

सुजुकी 1200 करोड़ रुपये में बनाने जा रहा प्लांट, इस इलाके का हो जाएगा कायापलट

सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड भारत में दूसरा मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट लगाने की तैयारी में है। हरियाणा के खरखौदा में ये प्लांट लगाया जाएगा। कंपनी ने ये फैसला उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से किया है। कंपनी के इस फैसले से इलाके में आर्थिक विकास होगा। प्लांट को बनाने में 1200 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जो कि वर्ष 2027 तक बनकर पूरा होगा। इस प्लांट में 750,000 यूनिट्स का प्रोडक्शन किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक ये प्लांट कुल 100 एकड़ में फैला हुआ है। प्लांट के 25 एकड़ में मैन्युफैक्चरिंग यूनिट बनाए जाएगी। बाकी की जमीन पर पेड़ पौधे उगाए जाएंगे, ताकि पर्यावरण को नुकसान ना हो। प्लांट के जरिए कई लोगों को रोजगार भी मिलेगा। इस प्लांट को शुरु करने का उद्देश्य है कि भारत में सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड अपने प्रोडक्ट्स की बढ़ती मांग की पूर्ति कर सके। इससे रोजगार के भी कई अवसर पैदा होंगे। अधिकारियों का कहना है कि जब ये प्लांट शुरु होगा तो इससे स्थानीय लोगों को लाभ मिलेगा। ये प्लांट कुल 2000 नौकरियां उत्पन्न करने की क्षमता रखता है। वहीं प्लांट बनने के बाद भारत में सुजुकी की सप्लाई चेन में भी सुधार आएगा। वहीं कस्टमर सर्विस भी बेहतर हो सकती है। ये यूनिट लीन मैन्युफैक्चरिंग तकनीक का उपयोग कर बनाई जा रही है। ये ऐसी तकनीक है जिससे उद्योग लगाने में कम लागत आती है। ये सहूलियत भी प्रदान करता है। लीन मैन्युफैक्चरिंग तकनीक के जरिए सप्लायर्स और कस्टमर्स की सटीक मांग का अनुमान लगाया जाता है। इस अनुपात में ही प्लांट में प्रोडक्शन किया जाता है। इस तकनीक की मदद से वेस्ट भी काफी कम निकलता है।

स्टॉक मार्केट में आई जबरदस्त तेजी, तीन दिन गिरने के बाद फार्मा के शेयर उछले

भारतीय शेयर बाजार में बीते तीन कारोबारी दिनों से गिरावट का जो दौर जारी था वो अब थम गया है। बुधवार को गिरावट पर ब्रेक लगा है। सेंसेक्स और निफ्टी 50 दोनों ही इंडेक्स जैसे ही खुले वैसे ही दौड़ लगाते हुए दिखाई दिए। एक तरफ बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयर वाला सेंसेक्स ग्रीन जोन में खुला है। इसके खुलते ही ये 516 अंक से अधिक की छलांग लगा बैठा। वहीं निफ्टी 50 में भी 100 से अधिक अंकों की बढ़त देखने को मिली है। शुरुआती कारोबार में सनफार्मा,

एचडीएफसी बैंक, टाटा मोटर्स के शेयरों में रफ्तार देखने को मिली है। बता दें कि बुधवार को शेयर बाजार में कारोबार की शुरुआत होने पर बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को बंद की तुलना में 81,327.61 के लेवल पर बढ़त के साथ खुला है। कुछ मिनटों के अंतराल में ही ये 516 अंक चढ़ा था और 81,698 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह निफ्टी ने भी 24,744.25 पर कारोबार किया। इसमें भी 150 अंकों के तेजी देखने को मिली और ये 24,834 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से नेस्ले, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, मारुति, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टाटा मोटर्स और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर सबसे ज्यादा लाभ में रहे। इटर्नल, इंडसइंड बैंक, अदाणी पोर्ट्स और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर में गिरावट आई। एशियाई बाजारों में शंघाई एसएसई कम्पोजिट, हांगकांग का हैंगसेंग और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी फायदे में रहे जबकि जापान का निक्की 225 नुकसान में रहा। अधिकतर अमेरिकी बाजार मंगलवार को नकारात्मक रुख के साथ बंद हुए थे।

रुपया शुरुआती कारोबार में नौ पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.67 पर

विदेशी पूंजी की लगातार निकासी के दबाव में बाजार की धारणा खराब होने से रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में नौ पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.67 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर

पर कच्चे तेल की कीमतों ने अमेरिकी डॉलर/भारतीय रुपये की जोड़ी पर नकारात्मक दबाव बढ़ा दिया है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.65 प्रति डॉलर पर खुला। फिर डॉलर के मुकाबले 85.67 पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से नौ पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.58 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.65 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स 201.89 अंक की बढ़त के साथ 81,388.33 अंक पर जबकि निफ्टी 44.15 अंक चढ़कर 24,728.05 अंक पर पहुंच गया।

शानदार पारी के बाद वैभव सूर्यवंशी ने छुए धोनी के पैर, आशीर्वाद के साथ आईपीएल 2025 का अंत किया

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने महेंद्र सिंह धोनी के पैर छुए और आशीर्वाद के साथ आईपीएल 2025 सीजन का समापन किया। राजस्थान और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच मंगलवार को नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में मुकाबला हुआ। राजस्थान का इस सीजन यह आखिरी मुकाबला था और 14 साल के वैभव इस मैच में भी अपना प्रभाव छोड़ने में सफल रहे।

वैभव ने इस सीजन बटोरी सुर्खियां

मैच के बाद जब दोनों टीमों के खिलाड़ी एक दूसरे से मिल रहे थे, तब धोनी और वैभव का सामना हुआ और इस युवा बल्लेबाज ने माही के पैर छुए। धोनी हालांकि उन्हें रोकते नजर आए। वैभव आईपीएल में खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं और उन्होंने अपने पहले ही सीजन में काफी सुर्खियां बटोरी। वैभव को इस सीजन सात मैचों में खेलने का मौका मिला और उन्होंने 206.56 के स्ट्राइक रेट और 36 के औसत से 252 रन बनाए। राजस्थान ने मेगा नीलामी में वैभव को खरीदा था और यह बल्लेबाज टीम की उम्मीदों पर खरा उतरा। हालांकि, राजस्थान की टीम प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी और उसका सफर ग्रुप चरण में ही थम गया।

वैभव–सैमसन के दम पर जीता राजस्थान

वैभव सूर्यवंशी और संजू सैमसन की 90+ रनों की साझेदारी के दम पर राजस्थान रॉयल्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को छह विकेट से हरा दिया। इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स ने 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 187 रन बनाए। जवाब में राजस्थान ने 17.1 ओवर में चार विकेट गंवाकर 188 रन बनाए और टूर्नामेंट की चौथी जीत दर्ज की।

राजस्थान की पारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की शुरुआत अच्छी हुई थी। वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल के बीच पहले विकेट के लिए 37 रनों की साझेदारी हुई, जिसे अंशुल कंबोज ने तोड़ा। उन्होंने जायसवाल को बोल्ड किया। वह 19 गेंदों में 36 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद सूर्यवंशी को कप्तान संजू सैमसन का साथ मिला। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 98 रन जोड़े। सैमसन 41 और सूर्यवंशी 57 रन बनाकर आउट हुए। इस मैच में रियान पराग कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाए और तीन रन बनाकर आउट हो गए। ध्रुव जुरेल 31 और शिमरन हेटमायर 12 रन बनाकर नाबाद रहे। चेन्नई के लिए अश्विन ने दो विकेट लिए जबकि अंशुल कंबोज और नूर अहमद को एक–एक सफलता मिली।

पिकलबाल में हाथ आजमाते नजर आए कोहली और अनुष्का

कार्तिक–दीपिका भी दिखे, आरसीबी ने साझा किया पोस्ट

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और अनुष्का शर्मा की जोड़ी पिकलबॉल खेलती नजर आई। रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के टीम बॉन्डिंग इवेंट में कोहली–अनुष्का की जोड़ी ने पिकलबॉल खेला और जोड़दीर के तौर पर इसमें हिस्सा लिया। आरसीबी का अब सनराइजर्स हैदराबाद से सामना होना है और इस मैच से पहले टीम के सदस्यों ने पिकलबॉल में हाथ आजमाया।

अनुष्का के साथ बनाई जोड़ी

पिकलबॉल खेलने के लिए आरसीबी के खिलाड़ियों के अलावा सहायक स्टाफ और उनके परिवार के सदस्य भी आए। आरसीबी ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया है जिसमें कोहली अंक हासिल करने के बाद अनुष्का को बधाई देते दिख रहे हैं। इन दोनों के अलावा आरसीबी के बल्लेबाजी मेंटर दिनेश कार्तिक और उनकी पत्नी दीपिका पल्लीकल भी मौजूद रहीं। दीपिका भारत की स्टार स्क्वाश खिलाड़ी हैं।

आरसीबी के लिए शानदार रहा है सीजन

सनराइजर्स के खिलाफ मुकाबले से पहले आरसीबी ने सभी खिलाड़ियों और उनके परिवार को इस इवेंट के लिए बुलाया था। आरसीबी के लिए मौजूदा आईपीएल सीजन काफी शानदार रहा है और टीम प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर चुकी है। सनराइजर्स और आरसीबी के बीच मुकाबला बंगलूरू में होना था, लेकिन बारिश की संभावना को देखते हुए इसे लखनऊ स्थानांतरित कर दिया था। इससे पहले उसका कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ 17 मई को खेला गया मुकाबला बारिश में धुल गया था। आरसीबी और हैदराबाद के बीच आईपीएल 2025 का 65वां मुकाबला बंगलूरू में खेला जाना था, लेकिन

अब इसे लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल विहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में कराने का फैसला लिया गया है। आईपीएल ने बताया कि बंगलूरू में खराब मौसम को देखते हुए लखनऊ में इस मैच को स्थानांतरित करने का फैसला किया गया है। आरसीबी की टीम को बंगलूरू में बारिश के कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा था क्योंकि वह मैदान पर अभ्यास नहीं कर पा रही थी, इसलिए पिकलबॉल इवेंट से उसके खिलाड़ियों को राहत मिली है।

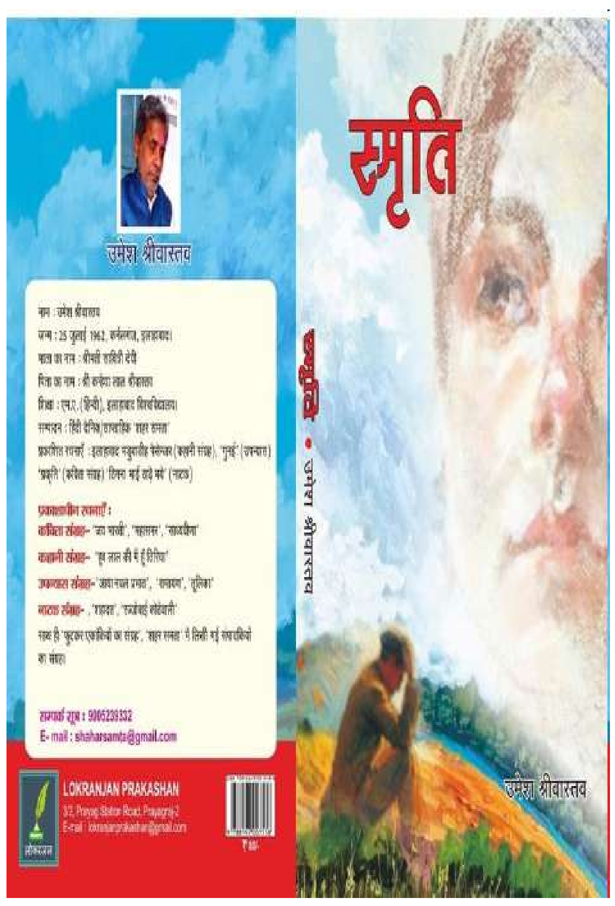

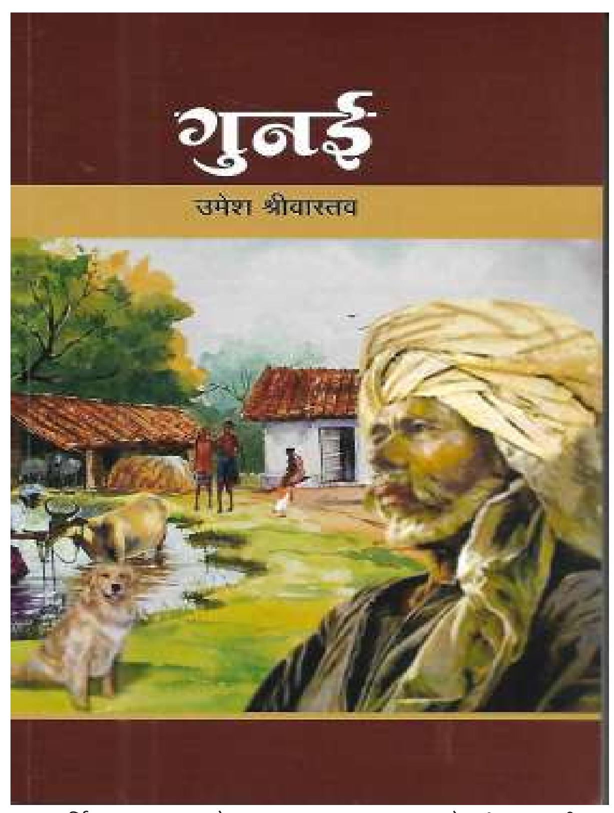

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

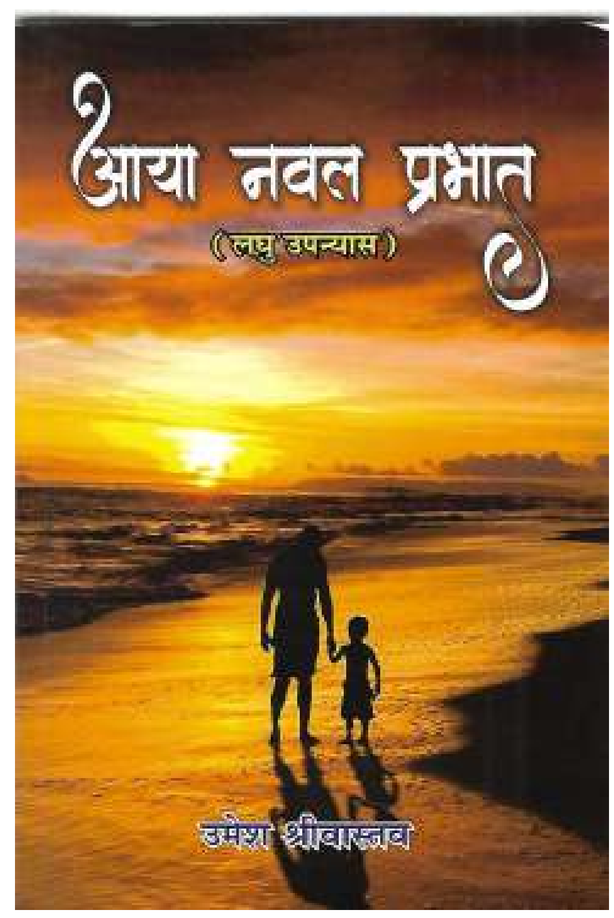

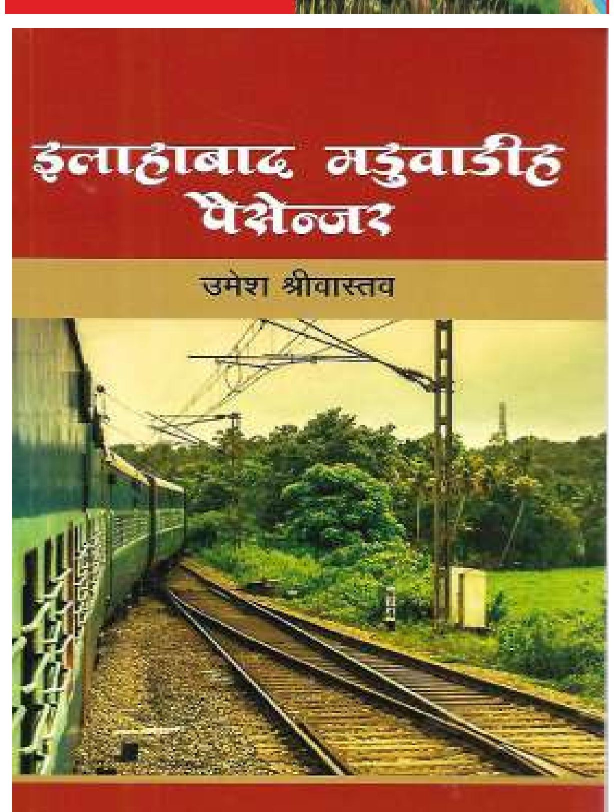

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

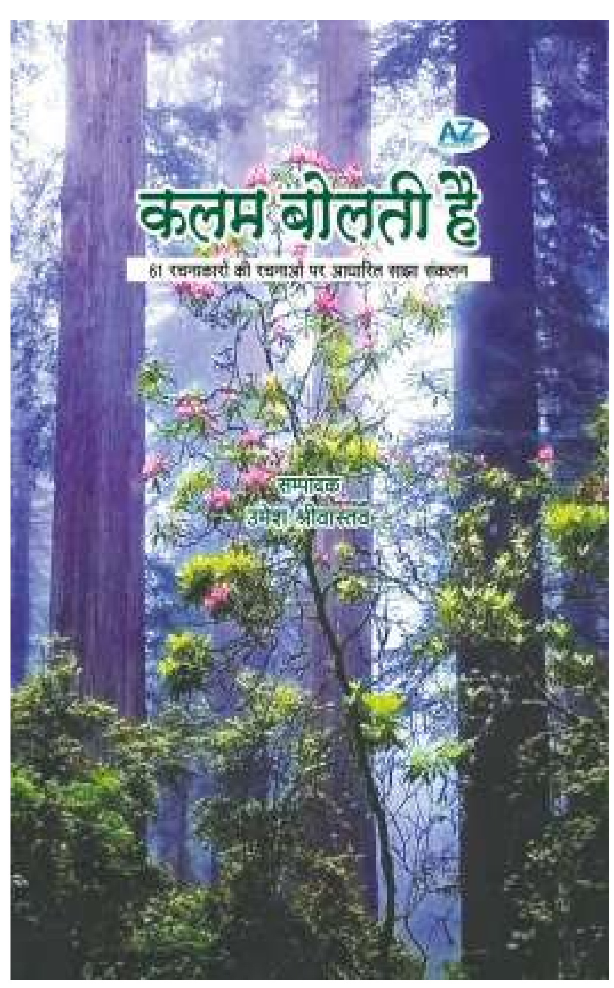

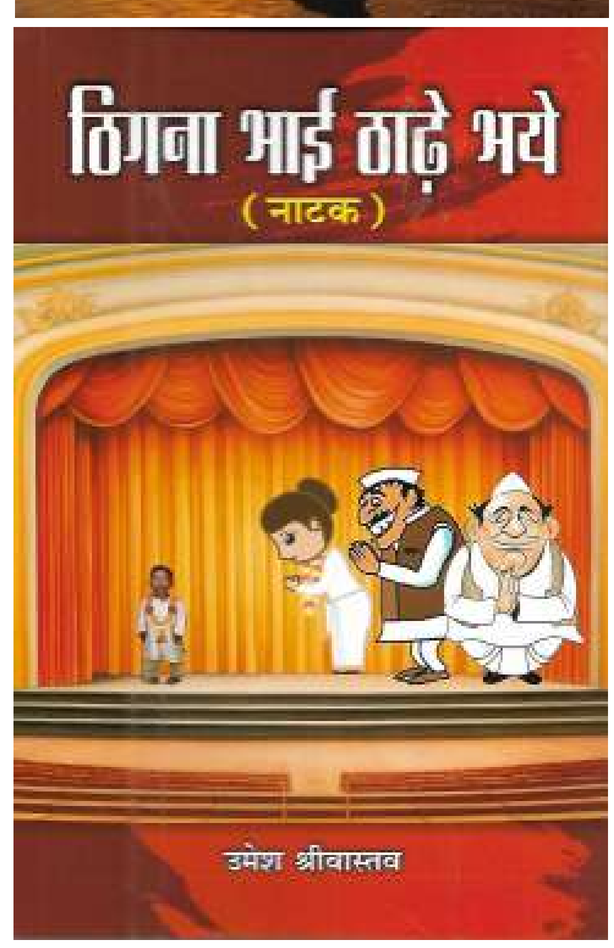

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

एक हो गए चीन–पाकिस्तान–तालिबान, बीजिंग में करने वाले हैं कुछ बड़ा?

चीन, पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने बीजिंग में एक अनौपचारिक त्रिपक्षीय बैठक के दौरान चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारे को अफगानिस्तान तक विस्तारित करने पर सहमति व्यक्त की है। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री इशाक डार, चीनी विदेश मंत्री वांग यी और अफगानिस्तान के कार्यवाहक

विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी ने अपने–अपने देशों में व्यापार, बुनियादी ढांचे और विकास को बढ़ावा देने के लिए कूटनीतिक गतिविधियों और उपायों पर चर्चा की। विकास पहलों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने के लिए, दोनों देशों ने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) पर सहयोग बढ़ाने तथा चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) को अफगानिस्तान तक विस्तारित करने पर सहमति व्यक्त की। बैठक के बाद एक्स पर एक पोस्ट में इशाक डार ने कहा कि पाकिस्तान, चीन और अफगानिस्तान क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और विकास के लिए एक साथ खड़े हैं। डार तीन दिवसीय बीजिंग यात्रा पर हैं, जो भारत के साथ तनाव बढ़ने के बाद उनकी पहली उच्च स्तरीय बातचीत है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में, उन्होंने घोषणा की कि छठी त्रिपक्षीय विदेश मंत्रियों की बैठक काबुल में शीघ्र ही, पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तिथि पर आयोजित की जाएगी। विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि इस यात्रा ने उनकी मजबूत दोस्ती की पुष्टि की है और अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय शांति और विकास के लिए उनके साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाया है। भारत ने चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के किसी तीसरे देश में विस्तार पर आपत्ति जताई थी। एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, विदेश मंत्रालय ने पिछले वर्ष कहा था कि चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) की परियोजनाओं में भाग लेने वाले देश जम्मू–कश्मीर में भारत के भू–भाग का उल्लंघन करेंगे। चीन–पाकिस्तान आर्थिक गलियारा, जो चीन की 'बेल्ट एंड रोड पहल' का एक हिस्सा है, का उद्देश्य दक्षिण–पूर्व एशिया के तटीय देशों में व्यापार मार्गों का नवीनीकरण करना है।

गाजा पर नेतन्याहू का डराने वाला प्लान, 151 मौतों के बाद अब सीधा कब्जा

गाजा युद्ध 19 माह से ज्यादा से जारी है। इसके चलते अब 22: गाजावासी भुखमरी के कगार पर हैं। किसी जमाने में सब्जियों से सजे बाजार अब राख, जलती प्लास्टिक की बदबू और खाली पड़े हैं। गाजा पट्टी एक बार फिर से इतिहास के सबसे मानवीय संकटों में से एक का गवाह बन गई है। इजरायल की तरफ से शुरू किया गया सबसे बड़ा जमीनी ऑपरेशन है। ये वो ऑपरेशन है, जिसके तहत महज एक ही दिन में 151 लोग मौत की आगोश में चले गए। नेतन्याहू इतने पर भी नहीं माने और उन्होंने अब एक बड़ा ऐलान कर दिया है, जिससे गाजा में मौजूद लोग सहम गए हैं। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पूरे गाजा पर कब्जे का ऐलान कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने गाजा में भोजन भेजने की भी घोषणा कर दी है। नेतन्याहू ने जंग और राहत का एक साथ ऐलान कर नया बवाल मचा दिया है। फिलिस्तीनी समाचार एजेंसी वफ़ा के अनुसार, इज़रायल रक्षा बल (आईडीएफ) ने 20 मई को वेस्ट बैंक में नब्लस के पूर्व में असकर शिविर पर छापा मारा, आंसू गैस छोड़ी और निवासियों को सांस लेने में कठिनाई हुई। कुद्स न्यूज़ नेटवर्क द्वारा जारी किए गए फुटेज में सैन्य वाहनों को शिविर में घुसते हुए, फिलिस्तीनी रिपोर्टों द्वारा आंसू गैस के बादल और एक एम्बुलेंस को दिखाया गया है। वफ़ा ने कहा कि आईडीएफ ने स्कूल के छात्रों, नागरिकों और पत्रकारों को आंसू गैस के कनस्तरों से निशाना बनाया। इसमें यह भी कहा गया कि आईडीएफ ने शिविर के प्रवेश द्वार को बंद कर दिया और पत्रकारों को रिपोर्टिंग करने के लिए क्षेत्र में रहने से रोक दिया। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, उत्तरी गाजा में दो हमलों में एक परिवार के मकान और आश्रय स्थल के रूप में काम कर रहे एक स्कूल को निशाना बनाया गया, जिसमें कम से कम 22 लोग मारे गए। मारे गए लोगों में आधे से अधिक महिलाएं और बच्चे थे। अल–अक्सा शहीद अस्पताल के अनुसार, मध्य शहर दीर अल–बलाह में एक हमले में 13 लोग मारे गए और पास के नुसेरात शरणार्थी शिविर में एक और हमले में 15 लोग मारे गए। नासेर अस्पताल के अनुसार, दक्षिणी शहर खान यूनिस में दो हमलों में 10 लोग मारे गए। इजराइल की सेना ने इस बारे में तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। इजराइली सेना का कहना है कि वह केवल आतंकवादियों को निशाना बनाती है और नागरिकों की मौत के लिए हमास को दोषी ठहराती है क्योंकि यह समूह घनी आबादी वाले क्षेत्रों में काम करता है।

गाजा में राहत सामग्री की आपूर्ति शुरू होने के बावजूद फलस्तीनियों तक कोई सहायता नहीं पहुंची : संरा

संयुक्त राष्ट्र (संरा) का कहना है कि गाजा में राहत सामग्री की नई आपूर्ति शुरू होने के दो दिन बाद भी फलस्तीनियों तक कोई सहायता नहीं पहुंच पाई है। गाजा को करीब तीन महीने से इजराइली नाकेबंदी का सामना करना पड़ रहा है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि गाजा के 20 लाख निवासियों में से बड़ी आबादी के समक्ष भोजन का संकट खड़ा हो गया है। अंतरराष्ट्रीय दबाव के बाद इजराइल ने इस सप्ताह फलस्तीनी क्षेत्र में ''न्यूनतम'' सहायता की अनुमति देने पर सहमति व्यक्त की।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

.919450482227

22 देशों की इजरायल को खुली चेतावनी, नेतन्याहू ने भी दिया तगड़ा जवाब

इजरायली फौज यानी आईडीएफ ने गाजा में अब तक का सबसे बड़ा मिलिट्री ऑपरेशन शुरू कर दिया। जिसमें भारी मानवाधिकार उल्लंघन हो रहा है और रोजाना बड़ी तादाद में लोग मारे जा रहे हैं। इस ऑपरेशन को लेकर ब्रिटेन, फ्रांस और कनाडा ने नाराजगी जाहिर करते हुए गाजा में इजरायली सैन्य कार्रवाई की आलोचना की है। इस पर इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने जवाब भी दिया है। नेतन्याहू ने इन देशों पर आरोप लगाते हुए कहा कि 7 अक्टूबर 2023 को इजरायल में हमास के जनसंहार का इनाम दे रहे हैं और इजरायल को उसकी आत्मरत्रा के अधिकार से वंचित करना चाहते हैं। आपको बता दें कि इजरायल ने गाजा को सीमित मानवीय राहत की इजाजत दे दी है और कुछ रास्तों को खोल दिया है। लेकिन इस फैसले के बावजूद 22 देशों ने संयुक्त बयान जारी करते हुए इजरायल से अपील करते हुए कहा है कि वे गाजा को मिलने वाली कोई भी सहायता में रुकावट न डाले। जिन देशों ने इजरायल के खिलाफ संयुक्त बयान जारी किया है, उनमें ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, आइसलैंड, आयरलैंड, इटली, जापान, लातविया, लिथुआनिया, लक्जमबर्ग, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, नॉर्वे, पुर्तगाल, स्लोवेनिया, स्पेन, स्वीडन और ब्रिटेन शामिल हैं। इन देशों का कहना है कि सहायता रोके जाने से गाजा पट्टी में भयावह स्थिति पैदा हो गई है और लोग भुखमरी का शिकार हो रहे हैं। कई लोगों को गंभीर बीमारियों की दवाइयां नहीं मिल पा रही हैं और उनकी जान बचाना मुश्किल साबित हो रहा है। इन देशों का कहना है कि हमें पता है कि इजरायल ने सीमित मात्रा में मदद देने पर सहमति जताई है, लेकिन हमारी मांग है कि मदद देने में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए। दिलचस्प बात यह है कि फ्रांस, ब्रिटेन और कनाडा ने इजरायल को धमकी तक दे दी है कि अगर गाजा में मदद रोकी गई तो वे प्रतिबंध लगा देंगे। इसके अलावा इन देशों ने गाजा पर सैन्य कार्रवाई रोकने की भी मांग की है। वहीं बेंजामिन नेतन्याहू ने भी तीनों देशों को कड़ा जवाब देते हुए कहा है कि अगर आपका प्रस्ताव स्वीकार कर लिया गया तो इससे हमास मजबूत होगा और भविष्य में वह फिर से इजरायल पर हमला करेगा। इसके साथ ही उन्होंने यह भी माना कि इजरायल पर गाजा के लिए सहायता बंद न करने का दबाव है। आपको बता दें कि बेंजामिन नेतन्याहू का कहना है कि जब तक हमास का खात्मा नहीं हो जाता, इजरायल गाजा पर हमले जारी रखेगा। लेकिन इस बीच यूरोपीय देशों और जापान के विरोध में उतरने से तस्वीर बदलती दिख रही है। इजरायल और हमास के बीच चल रही जंग में आने वाले दिन इस लिहाज से अहम हो सकते हैं।

फेल्ड मार्शल बनने के बाद आसिम मुनीर का पहला संबोधन, भारत के खिलाफ फिर उगला जहर

9 आतंकी कैंप ध्वस्त हुए, 11 एयरबेस उड़ाए जाने और खुद जनरल को जान बचाने के लिए बंकर में छुपने की नौबत आने के बाद पाकिस्तान ने एक नया इतिहास रच दिया है। वैसे तो पाकिस्तानी सेना की दुनियाभर में बेइज्जती होना आम है। पहलगाम के कायराना हरकत के बाद भारत ने रावलपिंडी में घुसकर मारा। इसके बाद भी पिटने पर प्रमोशन पाकिस्तान में ही हो सकता है। जनरल आसिम मुनीर को पाकिस्तान का फेल्ड मार्शल और इस्लामाबाद की भाषा में कहे तो फील्ड मार्शल बना दिया। पाकिस्तान की फौज में सबसे ऊंचा ओहदा यानी पांच सितारा रैंक। पाकिस्तान के अंदर अपार शक्ति और इस पद का नाम फील्ड मार्शल है। 1959 के बाद पहली बार पाकिस्तान में ये पद जनरल आसिम मुनीर को मिला है। रैंक न तो हर जनरल को मिलती है और न ही रूटीन प्रमोशन का हिस्सा है। ये सिर्फ उसी को दी जाती है जिसने जंग या राष्ट्रीय संकट के वक्त असाधारण नेतृत्व कर दिखाया हो। वलपिंडी स्थित पाकिस्तानी सेना के जनरल हेडक्वार्टर (ळभ्फ) में फील्ड मार्शल सैयद असीम मुनीर को सर्वोच्च सैन्य रैंक पर प्रमोशन दिए जाने के बाद अपना संबोधन भी दिया है। पाकिस्तान में सर्वोच्च सैन्य पद पर पदोन्नत होने के बाद फील्ड मार्शल सैयद असीम मुनीर के लिए रावलपिंडी में जनरल हेडक्वार्टर (जीएचक्यू) यादगार–ए–शुहादा में एक विशेष गार्ड ऑफ ऑनर समारोह आयोजित किया गया। मुनीर ने पाकिस्तान के शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की और फातेहा पेश की। इंटर–सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, उन्होंने यह सम्मान पाकिस्तान के लोगों, सशस्त्र बलों और विशेष रूप से सैन्य, नागरिक संस्थानों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के शहीदों और दिग्गजों को समर्पित किया। फील्ड मार्शल ने कहा कि यह सम्मान पूरे पाकिस्तानी राष्ट्र और सशस्त्र बलों के बहादुर पुरुषों और महिलाओं, विशेष रूप से उन शहीदों को श्रद्धांजलि है, जो भारत के अकारण, कायरतापूर्ण और गैरकानूनी आक्रमण के खिलाफ श्स्टील की दीवारश की तरह खड़े रहे। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में संघीय सरकार ने जनरल असीम मुनीर को आधिकारिक तौर पर फील्ड मार्शल के पद पर पदोन्नत किया। यह फैसला ऑपरेशन बनयान–उम–मुर्सोस के दौरान उनके रणनीतिक नेतृत्व और बहादुरी को मान्यता देते हुए लिया गया है, जिसने भारत के हालिया आक्रमण को विफल किया और पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा की।

भारत की जल स्ट्राइक से पाकिस्तान को बचाने के लिए चीन ने झोंकी ताकत, इस प्रोजेक्ट में ला रहा तेजी

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को निलंबित करने से पाकिस्तान बौखला गया है, जिसके कारण उसे चीन से स्वात नदी पर मोहमंद बांध के निर्माण में तेजी लाने का आग्रह करना पड़ा है, ताकि उसकी जल सुरक्षा मजबूत हो सके। चीन के सरकारी प्रसारक ने कहा कि भारत द्वारा हाल ही में जल आपूर्ति बंद करने की धमकी के जवाब में पाकिस्तान में उसके प्रमुख बांध परियोजना पर काम तेज कर दिया गया है। सामने आए सैटेलाइट इमेज से पता चलता है कि भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित करने के महीनों पहले मोहमंद बांध परियोजना पर निर्माण कार्य सितंबर 2024 में तेज हो गया था। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी द्वारा ली गई सैटेलाइट तस्वीरों में पिछले साल सितंबर में मोहमंद बांध के मुख्य रॉक–फिल तटबंधों को आकार लेते हुए दिखाया गया है। इसके तुरंत बाद, समर्थन और सहायक उद्देश्यों के लिए आस–पास नई संरचनाएँ उग आईं। 17 मई, 2025 की नवीनतम सैटेलाइट तस्वीर में चट्टान की दीवारों के बगल में सीमेंट जैसी सामग्री का एक बड़ा निर्माण दिखाया गया है, जो दर्शाता है कि परियोजना कंक्रीट डालने और संरचनात्मक सुदृढ़ीकरण के उन्नत चरण में चली गई है। यह बांध सिंधु जल संधि द्वारा शासित पश्चिमी नदी पर नहीं बनाया गया है, बल्कि स्वात नदी पर बनाया गया है, जो काबुल की एक सहायक नदी है जो अफगानिस्तान के हिंदू कुश पहाड़ों से निकलती है और पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में बहती है। पाकिस्तान भी भारत के साथ सिंधु बेसिन में निचला तटवर्ती देश है। सिंधु नदी के जल तक पाकिस्तान की पहुँच को सीमित करने के भारत के प्रयास को अफ़गानिस्तान की तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार तक उसकी पहुँच के साथ जोड़ दिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने अफ़गानिस्तान में काबुल नदी पर शहतूत बाँध परियोजना

पर भी काम तेज़ कर दिया है। 15 मई को विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर और उनके अफ़गान समकक्ष के बीच बातचीत के दौरान बाँध निर्माण पर चर्चा हुई। शहतूत बाँध में 2 मिलियन काबुल निवासियों के लिए 146 मिलियन क्यूबिक मीटर पीने योग्य पानी होगा और 4,000 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होगी। यह काबुल के बाहरी इलाके में देह सब्ज़ नामक एक नए शहर के लिए पीने का पानी भी उपलब्ध कराएगा।

हाफ़िज़ सईद के राईट हैंड को मारी गोली, लाहौर में आखिरी सांसे गिन रहा कश्मीर का हमलावर आतंकी हमजा

ऑपरेशन सिंदूर अभी होल्ड पर है। लेकिन पाकिस्तान में आतंकवादियों पर स्ट्राइक अभी भी हो रही है। पाकिस्तान में लेटेस्ट हमला लश्कर ए तैयबा के सह संस्थापक आमिर हमजा पर हुआ है। जिसे कुछ अज्ञात हमलावरों ने उसके घर में गोली मार दी। हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बाद हमजा को लाहौर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आमिर हमजा को लश्कर के चीफ हाफिज सईद का सबसे करीबी माना जाता है। अब तक उसकी असली हालत के बारे में पता नहीं चल पाया है। हालांकि आमिर हमजा पर हमला किसने और कैसे किया ये साफ नहीं है। कुछ अज्ञात हमलावरों ने आमिर को टारगेट किया। इससे पहले भी पाकिस्तान में आतंकवादियों को टारगेट किया जाता रहा है। लश्कर के टॉप आतंकवादी सैफुल्ला की हत्या किसी अज्ञात बंदूकधारी ने कर दी थी। हमजा सालों से कश्मीर सहित पूरे भारत में आतंक फैलाता रहा है। लश्कर–ए–तैयबा के सह–संस्थापक और वरिष्ठ आमिर हमजा र अपने आवास पर घायल हो गया और उसे पाकिस्तान के लाहौर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आमिर हमजा, लश्कर–ए–तैयबा के प्रमुख हाफ़िज़ सईद और अब्दुल रहमान मक्की का करीबी सहयोगी है। दोनों को संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक आतंकवादी घोषित किया गया है। यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेजरी ने लश्कर–ए–तैयबा (स्मज) को एक आतंकवादी संगठन के रूप में नामित किया है और आमिर हमजा को एक आतंकवादी के रूप में विशेष रूप से पहचाना है, उसके खिलाफ़ अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंध लगाए जाने की वकालत की है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के अनुसार, हमजा लश्कर ए तैयबा की केंद्रीय सलाहकार समिति का सदस्य है। एलईटी के अमीर हाफ़िज़ मुहम्मद सईद के निर्देशन में अन्य संगठनों के साथ आतंकवादी संगठन के संबंधों को बनाए रखने में सक्रिय रूप से शामिल था। हमजा, 2010 तक, सईद की अध्यक्षता वाले एलईटी विश्वविद्यालय ट्रस्ट के एक अधिकारी और सदस्य के रूप में पद पर था। 2010 के मध्य में हमजा ने कथित तौर पर एलईटी के लिए प्रचार किया। इसके अतिरिक्त, हमजा, लश्कर–ए–तैयबा के तीन नेताओं में से एक था, जो हिरासत में लिए गए लश्कर–ए–तैयबा सदस्यों की रिहाई के लिए बातचीत में शामिल था।

आत्मघाती कार बम हमलावर ने स्कूल बस पर किया अटैक, तीन बच्चों समेत पांच की मौत, 38 घायल

दक्षिण–पश्चिमी पाकिस्तान में एक आत्मघाती कार बम हमलावर ने एक स्कूल बस पर हमला किया, जिसमें तीन बच्चों सहित कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 38 अन्य घायल हो गए। स्थानीय डिप्टी कमिश्नर यासिर इकबाल ने बताया कि यह हमला बलूचिस्तान प्रांत के खुजदार जिले में उस समय हुआ जब बस बच्चों को स्कूल ले जा रही थी। अधिकारियों ने कहा कि उन्हें डर है कि मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है क्योंकि कई बच्चों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सुरक्षा बल तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और इलाके को सील कर दिया, जबकि एंबुलेंस ने

घायलों को नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया। स्थानीय समाचार चौनलों ने घटनास्थल पर बुरी तरह क्षतिग्रस्त बस और बिखरे मलबे को दिखाते हुए दृश्य प्रसारित किए। किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी तुरंत नहीं ली, लेकिन संदेह जातीय बलूच अलगाववादी समूहों पर होने की संभावना है, जिनका इस क्षेत्र में सुरक्षा बलों और नागरिकों दोनों को निशाना बनाने का इतिहास रहा है। प्रांत में होने वाले अधिकांश हमलों की जिम्मेदारी बीएलए ने ली है। इस तरह के सबसे घातक हमलों में से एक में, मार्च में बलूचिस्तान में सैकड़ों यात्रियों को ले जा रही एक ट्रेन पर हमला करके बीएलए विद्रोहियों ने 33 लोगों को मार डाला था, जिनमें से ज़्यादातर सैनिक थे। पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नक़्वी ने बच्चों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की। उन्होंने हमलावरों को जानवर करार दिया जो किसी भी दया के लायक नहीं हैं और इस हमले को जानबूझकर निर्दोष लोगों को निशाना बनाने के लिए सरासर बर्बरता का कार्य बताया। बलूचिस्तान लंबे समय से अलगाववादी हिंसा और आतंकवादी घटनाओं का केंद्र रहा है। खुजदार में हाल ही में हुआ हमला एक सप्ताह के भीतर इलाके में दूसरा बड़ा हमला है, जिससे क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

अमेरिका में भारतीय नागरिक ने फर्जी डकैतियों से जुड़े आव्रजन धोखाधड़ी मामले में अपराध स्वीकार किया

अमेरिका में रहने वाले एक भारतीय नागरिक ने कई अमेरिकी राज्यों में खुदरा दुकानों पर सशस्त्र डकैती को अंजाम देने का अपराध स्वीकार कर लिया है। उसने डकैती के पीड़ितों को धोखाधड़ी से अमेरिकी आव्रजन का लाभ प्राप्त करने के लिए वीजा दिलाने में मदद की और उनसे पैसे ऐंठे। न्यूयॉर्क निवासी रामभाई पटेल (37) ने मंगलवार को बोस्टन में अमेरिकी जिला न्यायाधीश म्योंग जे. जौन के समक्ष वीजा धोखाधड़ी की साजिश रचने के एक मामले में अपराध स्वीकार किया।

इस मामले में 20 अगस्त को सजा सुनाई जाएगी। अमेरिकी संघीय अभियोजकों के अनुसार, पटेल और एक सह–साजिशकर्ता ने मार्च 2023 से अपराध शुरू किया, जिसके तहत उन्होंने कम से कम नौ दुकानों और रेस्तरां में डकैतियां कीं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।